सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746


**सु-विचार**

*" लोगों के नजरिए को लेकर ज्यादा मत सोचिए,
क्योंकि सबसे ज्यादा वो लोग ही हमारा मूल्यांकन करते हैं,
जिनका स्वयं कोई मूल्य नही होता।....!! "*

*अज्ञात...*


वर्ष–01 अंक–110 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 10 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए


# एक वचन, 70 साल की तपस्या : माखनलाल सरकार ने पूरा किया डॉ. मुखर्जी का सपना

## श्रीनगर जेल से बंगाल विधानसभा तक का सफर, प्रधानमंत्री मोदी ने लिया आशीर्वाद

*आलोक तिवारी / कोलकाता*

डॉक्टर बाबू, आपका बंगाल वापस ले आया। 70 साल लग गए, माफ करना। 98 वर्षीय माखनलाल सरकार ने कोलकाता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माथा टेकते हुए जब यह कहा, तो वहां मौजूद हर आंख नम थी। यह महज एक श्रद्धांजलि नहीं थी। यह 1953 में श्रीनगर जेल में गुरु को दिए गए एक वचन की पूर्णाहुति थी।

### 1953 : जब 23 साल का माखन जेल गया था

11 मई 1953 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नारा दिया था: एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। कश्मीर कूच में उनके साथ 23 साल का दुबला-पतला बंगाली युवक भी था। नाम था माखनलाल सरकार, रानाघाट निवासी। लखनपुर बॉर्डर पर गिरफ्तारी हुई। श्रीनगर सेंट्रल जेल की बैरक नंबर 7 में डॉ. मुखर्जी और सबसे छोटे

सत्याग्रही माखन 40 दिन साथ रहे।

जेल में डॉ. मुखर्जी रोज माखन को भारत का इतिहास पढ़ाते। 23 जून 1953 को माखन की गोद में ही डॉ. मुखर्जी ने अंतिम सांस ली। जाते-जाते गुरु ने कहा था: माखन, मैं शायद वापस न जाऊं। पर तू बंगाल जाकर मेरा अधूरा काम पूरा करना। बंगाल बचेगा तो भारत बचेगा। उसी दिन माखन ने कसम खाई थी कि जब तक बंगाल में जनसंघ की सरकार नहीं बनेगी, चैन से नहीं बैठेगा।

### प्रधानमंत्री ने लिया आशीर्वाद

दिल्ली से शपथ ग्रहण में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच में माखनलाल सरकार के पास गए। उनके पैर छुए और आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि माखन दा जैसे कार्यकर्ताओं की तपस्या से ही आज बंगाल में कमल खिला है। यह जीत मोदी या शाह की नहीं, उस विचार की है जो 1953 में श्रीनगर जेल की काल कोठरी में जन्मा था। माखन दा ने प्रधानमंत्री के सिर पर हाथ रखकर कहा कि अब सोनार बांग्ला बनाना है। यही डॉ. मुखर्जी का सपना था।

### 70 साल की तपस्या, हर युग में जेल

इसके बाद शुरू हुआ 70 साल का संघर्ष। 1977 में लेफ्ट सरकार के दौर में घर पर लाल झंडा लगाने से मना किया तो 16 दिन माड़ग्राम थाने में बंद रहे। 2003 में रानाघाट में भाजपा का दफ्तर खोलने पर बम फेंका गया। 67 साल की उम्र में 9 दिन जेल काटी। लोग कहते थे कि अब आराम करो। माखन दा का जवाब होता था कि डॉ. मुखर्जी ने आराम किया था क्या। जब तक बंगाल टीएमसी मुक्त नहीं होगा, यह शरीर रिटायर नहीं होगा।

### 2026 : वचन पूरा, आंखों में आंसू

98 साल की उम्र में डॉक्टरों ने मना किया। बेटे ने रोका। माखन दा बोले कि 1953 में डॉ. मुखर्जी को वचन दिया था। वचन अधूरा लेकर मरूंगा तो ऊपर क्या मुंह दिखाऊंगा। 2026 के चुनाव में भाजपा को 208 सीटें मिलीं। बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत की भगवा सरकार बनी।

शपथ ग्रहण के बाद माखनलाल सरकार सीधे डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पहुंचे। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि आज विधानसभा में डॉ. मुखर्जी की आत्मा भी ताली बजा रही होगी। माखन दा ने दो मिनट का पहला भाषण दिया: 1953 में मैं और डॉ. मुखर्जी जेल गए थे क्योंकि हमने एक निशान मांगा था। आज बंगाल में एक ही निशान है, कमल का निशान। लड़ाई खत्म।

### विचार नहीं मरते, कार्यकर्ता नहीं थकते

1953 में श्रीनगर जेल का कैदी नंबर 7 आज बंगाल विधानसभा में विधायक है, सीट नंबर 17। गुरु ने कश्मीर के लिए प्राण दिए थे, चेले ने बंगाल के लिए 70 साल दे दिए। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना, दीन दयाल का अंत्योदय और माखनलाल सरकार का संघर्ष मिलकर बना है आज का सोनार बांग्ला। यह कहानी बताती है कि विचार नहीं मरते और कार्यकर्ता नहीं थकते। बंगाल में भाजपा की सरकार सिर्फ बड़े नेताओं से नहीं बनी। यह सरकार माखनलाल सरकार जैसे लाखों कार्यकर्ताओं के खून-पसीने से बनी है। जो 2003 में अकेला था, 2026 में उसके साथ 10 करोड़ बंगाली खड़े हैं।

---

## सोमनी में आकाशीय बिजली की चपेट में आए दो युवक, मौत

**राजनांदगांव।** सोमनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### खराब मौसम के बीच गिरी बिजली

मृतकों की पहचान डोमेंद्र बघेल, 20 वर्ष, पिता ईश्वर बघेल और नीलकमल निषाद, 19 वर्ष, पिता संतोष निषाद, दोनों निवासी सोमनी के रूप में हुई है। देर शाम मौसम खराब होने और गरज-चमक के दौरान आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में दोनों युवक आ गए। परिजन तत्काल दोनों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल राजनांदगांव ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

### परिजनों का हुआ रो-रोकर बुरा हाल

हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन ने बारिश और गरज-चमक के दौरान लोगों से खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े न होने की अपील की है।

---

## तमिलनाडु में नया राजनीतिक अध्याय का उदय थलापति विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

### टीवीके को पहले ही चुनाव में 108 सीटें, कांग्रेस-वामदलों के समर्थन से बना बहुमत

*नई दृष्टिबिंदु / चेन्नई*

तमिलनाडु की राजनीति में शनिवार को नया अध्याय जुड़ गया। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने चेन्नई के जवाहर लाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के साथ नौ नवनिर्वाचित विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

### न्याय का युग शुरू : विजय

शपथ लेने के बाद अपने पहले संबोधन में मुख्यमंत्री विजय ने कहा, यह एक नई शुरुआत है। अब तमिलनाडु में वास्तविक, धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय पर आधारित नए युग की शुरुआत हो गई है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करेगी।

### नौ मंत्रियों ने भी ली शपथ

राज्यपाल अर्लेकर ने केजी अरुणराज, एन आनंद, आधव अर्जुन, केए सेंगोट्टैयन, पी. वेंकटरमणन, आर निर्मल कुमार, राजमोहन, टीके प्रभु और एस कीतर्ना को मंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल जवाहर लाल नेहरू इंडोर स्टेडियम से रवाना हो गए।

### पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा : मिलकर काम करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर तमिलनाडु के लोगों के जीवन में सुधार के लिए काम करती रहेगी।

### सड़कों पर जश्न, बांटी गई मिठाइयां

**विजय के मुख्यमंत्री बनते ही पूरे राज्य में टीवीके कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। चेन्नई समेत कई शहरों में कार्यकर्ता मिठाइयां बांटते और ढोल-नगाड़ों पर नाचते नजर आए। स्टेडियम के बाहर भी समथर्कों की भारी भीड़ जमा रही। अभिनेता से राजनेता बने विजय की यह जीत तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है।**

### पहले ही चुनाव में टीवीके का शानदार प्रदर्शन

विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले विधानसभा चुनाव में ही 108 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया। कांग्रेस, वीसीके और वामदलों के समर्थन से गठबंधन ने 118 का बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। इस दौरान विजय के पिता भावुक नजर आए। मुखर्जी का सपना था।

---

## पंडित प्रदीप मिश्रा कथा विवाद : दिनेश साहू पर एफआईआर के बाद उठे सवाल, करोड़ों रुपए की उगाही की जांच की मांग

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

एकपक्षीय कार्रवाई के आरोप, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण कथा आयोजन को लेकर हालेकोसा निवासी दिनेश साहू के खिलाफ छुरिया थाने में दर्ज धोखाधड़ी की FIR ने नया मोड़ ले लिया है। दिनेश साहू के विस्तृत बयान के बाद पुलिस की कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। साहू ने बयान में करोड़ों की जन-उगाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

### बिना सूचना FIR, प्रक्रिया पर सवाल

दिनेश साहू का पहला आरोप है कि उन्हें ऋक्ष्फ दर्ज होने की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। उनका कहना है कि वित्तीय विवाद में सामान्यतः पुलिस पहले दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश करती है। इस मामले में सीधे ऋक्ष्फ दर्ज करना एकपक्षीय मानसिकता दर्शाता है।

### पैसे लौटाने की मंशा थी, धोखाधड़ी कैसी ?

साहू ने कहा कि दीपचंद रजक द्वारा 21 लाख रुपये वापस मांगने पर उन्होंने तत्काल वापसी का आश्वासन दिया। एडवांस राशि आपूर्तिकर्ताओं से वापस मंगाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी बीच 4 मई को उनके बड़े चाचा जोधीलाल साहू के निधन से भुगतान में विलंब हुआ। विधिक दृष्टि से धोखाधड़ी तभी मानी जाती है जब पैसे लौटाने की नीयत न हो। साहू ने वापसी से इनकार नहीं किया, बल्कि पारिवारिक शोक के कारण देरी की बात कही है। ऐसे में बीएनएस की धारा 420 का प्रयोग कितना उचित है, यह जांच का विषय है।

### करोड़ों की उगाही का आरोप, जांच की मांग

दिनेश साहू ने गंभीर आरोप लगाया कि दीपचंद रजक व साथियों ने कथा के नाम पर राजनांदगांव से दुर्ग-भिलाई तक गांव-गांव हजारों चंदा पर्चियां काटीं। अनाज, दाल, भंडारे के नाम पर भारी वसूली की गई। उनका दावा है कि यह करोड़ों रुपये की उगाही का मामला है। यदि यह आरोप सही है तो असली पीड़ित क्षेत्र की जनता, दुकानदार और जनप्रतिनिधि हैं। पुलिस ने इस पक्ष की जांच नहीं की और केवल 21 लाख के विवाद में एफआईआर दर्ज की। जांच की प्राथमिकता पर सवाल उठ रहे हैं।

### लेन-देन की व्यवस्था पर सवाल

साहू का कहना है कि उन्होंने शुरू से कहा था कि सभी भुगतान दीपचंद रजक की समिति सीधे अपने खाते से करे, ताकि पारदर्शिता रहे। लेकिन शिकायतकर्ता पक्ष के आग्रह पर ही लेन-देन उनके माध्यम से हुआ। यानी विवाद की जड़ में बनी व्यवस्था शिकायतकर्ता की मांग पर ही बनी थी।

### कथा रांची क्यों गई?

दिनेश साहू ने बताया कि दीपचंद रजक पक्ष तय समयसीमा में 80% अग्रिम राशि जमा नहीं कर सका, इसलिए कथा की तिथि रांची, झारखंड को आवंटित हो गई। इसे धोखा नहीं, बल्कि पूर्वनिर्धारित शर्त का पालन न होने का परिणाम बताया गया है।

### निष्पक्ष जांच की मांग

इस प्रकरण में दो परतें हैं। पहली, 21 लाख रुपये का वित्तीय विवाद जिस पर FIR है। दूसरी, कथा के नाम पर जनता से कथित करोड़ों की वसूली, जिस पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। दिनेश साहू का आरोप है कि "मुझे फंसाकर असली भ्रष्टाचार छुपाया जा रहा है"। यह बयान पुलिस और प्रशासन के लिए चुनौती है। न्याय की मांग है कि दोनों पहलुओं की निष्पक्ष जांच हो। 21 लाख के विवाद के साथ-साथ जनता से की गई कथित वसूली की भी पारदर्शी जांच होनी चाहिए, ताकि असली तथ्य सामने आ सकें।

---

## रायपुर में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच होगा मुकाबला

**रायपुर।** रायपुर में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला होगा। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले IPL मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में काफी उत्साह है। वहीं इस मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। रायपुर में आज बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका है। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि शाम के वक्त बादल बने रहेंगे, लेकिन बारिश पिछली शाम की तरह नहीं होगी। हल्की धूल भरी हवा चलने की संभावना है। यानी बारिश ने खलल भी डाला तो मैच रद्द होने वाली स्थिति नहीं बनेगी।

---

---

## नेशनल लोक अदालत : एक दिन में 7.92 लाख मामले निपटे

### 52.14 करोड़ का अवार्ड, दीप प्रज्ज्वलन से हुई शुरुआत, स्वास्थ्य शिविर-लंगर का भी हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत में जिला दुर्ग ने नया कीर्तिमान बनाया। 9 मई को आयोजित लोक अदालत में कुल 7,92,401 मामलों का निराकरण हुआ और 52,14,67,009.16 रुपये का अवार्ड पारित किया गया। मुख्य न्यायाधिपति ने मुंगेली से वर्चुअल शुभारंभ किया।

### 38 खंडपीठों में हुई सुनवाई

प्रधान जिला न्यायाधीश के निर्देशन में जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुंब न्यायालय, भिलाई-3, पाटन, धमधा, किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय, स्थायी लोक अदालत, राजस्व न्यायालय और उपभोक्ता फोरम में लोक अदालत लगी। कुल 38 खंडपीठ गठित की गईं। प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ने दीप प्रज्ज्वलित कर सुबह 10:30 बजे शुभारंभ किया।

### वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी हुए राजीनामे

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में बीजापुर में पदस्थ एसआई सुनील कुमार ईलमकार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संपर्क कर 1.80 लाख रुपये का अवार्ड पारित किया गया। जिला जेल बेमेतरा में निरुद्ध प्रार्थी सागर से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मारपीट के मामले में राजीनामा कराया गया। उतई थाना क्षेत्र के एक मामले में शहर से बाहर गए प्रार्थी को वीडियो लिंक से जोड़कर विवाद सुलझाया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगा। डॉ. निवेदिता गाडिर्या व टीम ने न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों की जांच की। गुरुद्वारा शहीद बाबादीप सिंह व श्री गुरूसिंह सभा गुरुद्वारा ने निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की। केंद्रीय जेल दुर्ग ने बंदियों द्वारा निर्मित जेल उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई।

### 17,906 न्यायालयीन, 7.75 लाख प्री-लिटिगेशन मामले निपटे

लोक अदालत में 17,906 न्यायालयीन प्रकरण और 7,75,129 प्री-लिटिगेशन मामले निपटाए गए। इनमें बैंक के 49,771, विद्युत के 2,887 और दूरभाष के 355 मामले शामिल हैं, जिनमें 70.78 लाख की समझौता राशि रही। दाण्डिक 511, क्लेम 42, पारिवारिक 111, चेक अनादरण 381, व्यवहार वाद 41, श्रम न्यायालय 5 और स्थायी लोक अदालत के 8,118 मामले निपटे।

### वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझा

लोक अदालत में दाण्डिक, सिविल, परिवार, मोटर दुर्घटना, बैंकिंग, विद्युत व दूरसंचार के मामले आपसी समझौते से निपटाए गए। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि लोक अदालत में न किसी की हार होती है, न जीत। वर्षो का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। शुभारंभ अवसर पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष रमेश शर्मा, सचिव रविशंकर सिंह, न्यायाधीशगण, अधिवक्ता और बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

# भिलाई में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर भव्य शोभायात्रा, क्षत्रिय समाज ने दिखाई एकजुटता

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को क्षत्रिय कल्याण सभा सेक्टर-7 भिलाई के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। महाराणा प्रताप भवन, सेक्टर-7 से शुरू हुई यात्रा में भिलाई-दुर्ग के क्षत्रिय समाज के लोग परिवार सहित शामिल हुए।

## सेक्टर-7 से निकली यात्रा, सिविक सेंटर पर हुआ जलपान का इंतजाम

### माल्यार्पण से हुई शुरुआत

शोभायात्रा की शुरुआत सेक्टर-7 स्थित महाराणा प्रताप चौक पर प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। यात्रा में क्षत्रिय समाज के सदस्य और सनातनी बड़ी संख्या में शामिल हुए। क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष भिलाई-दुर्ग के सभी क्षत्रिय परिवारों ने सहभागिता कर यात्रा को भव्य स्वरूप दिया।

### पदाधिकारियों का रहा सराहनीय सहयोग

सभा की ओर से उपाध्यक्ष दया सिंह, राजेश सिंह, मंत्री सुनील सिंह, कोषाध्यक्ष संजय सिंह राठौड़, सहमंत्री विजय सिंह, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, संगठन मंत्री मानवेंद्र सिंह, प्रचार मंत्री नागेंद्र सिंह, कायर्कारिणी सदस्य अरविंद सिंह, संजय सिंह, अशोक सिंह, रामनारायण सिंह, करुणा सिंह परिहार, अनुज कुमार सिंह, प्रदीप सिंह, हर्षवर्धन सिंह, अतेंद्र सिंह, राजेश सिंह का सहयोग रहा। महिला विंग अध्यक्ष सुषमा सिंह और युवा विंग अध्यक्ष बबलू सिंह राजपूत की भूमिका भी सराहनीय रही।

सर्व सनातनी समाज की ओर से पिंटू ओझा, दिलीप केसरवानी और तालपुरी निवासी संजय सिंह ने सिविक सेंटर चौक पर शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए शीतल जल और कोल्ड ड्रिंक्स की व्यवस्था की। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और समस्त क्षत्रिय समाज का सहयोग रहा।

**खास खबर**

## भारतीय ज्ञान परम्परा को रेखांकित करती है आचार्य महेश की पुस्तक : देवेन्द्र कुमार रावत

डॉ.महेश चन्द्र शर्मा | देवेन्द्र कुमार रावत | "साहित्य और समाज"

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

**भिलाई।** तुलसी मानस प्रतिष्ठान भोपाल की मुखपत्रिका "मानस भारती" के सम्पादक एवं विचारक देवेंद्र कुमार रावत के अनुसार इस्पात नगरी भिलाई के प्रसिद्ध साहित्याचार्य एवं लेखक डॉ.महेश चन्द्र शर्मा की कृति "साहित्य और समाज" राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को रेखांकित करती है। यह विविध शिक्षाओं से सारगर्भित 126 लघु ललित निबंधों का संग्रह है। इसमें बताया गया है कि साहित्य समाज का दर्पण है और संस्कृति साहित्य की आत्मा है।

साहित्यिक संस्था "आरम्भ" के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा देश-विदेश के अनेक सफल शैक्षणिक और साहित्यिक भ्रमण कर चुके हैं। उनकी दस से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं। विगत दिनों आरम्भ के राज्यस्तरीय काव्य संवाद समारोह की पुस्तक प्रदर्शनी में भी साहित्य प्रेमियों ने डॉ.महेश शर्मा की उक्त पुस्तकों का भी अवलोकन किया।छत्तीसगढ़ के बाहर भी डॉ. शर्मा पुस्तकें लोकप्रिय हैं। इसी क्रम में भोपाल के देवेन्द्र कुमार रावत ने बताया कि " साहित्य और समाज" से पाठक के चरित्र सेतु का निर्माण होता है और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इसमें भारत वर्ष की व्याख्या करते हुवे आचार्य ने बताया है कि ज्ञान-विज्ञान में लगा हुआ भारत इसकी भूमण्डलीय वर्षा करता है।

प्रगति और आत्मोन्नति के लिये ऋषि - मुनियों ने शोध करके जो निष्कर्ष निकाले उन सूक्तियों के मोतियों की माला के रूप में आचार्य शर्मा ने इस पुस्तक की रचना की है। छत्तीसगढ़ (रायपुर) से प्रकाशित 280 पृष्ठों की, सहज,सरल किन्तु सरस भाषा-शैली में लिखित ये किताब युवाओं और विद्यार्थियों के लिये ही नहीं बल्कि वयोवृद्ध पाठकों और वरिष्ठ नागरिकों के लिये भी संग्रहणीय और उपयोगी है। निबन्धों के साथ बीच-बीच में दिये रेखाचित्रों से विषय और भी रोचक और ज्ञानवर्धक हो जाते हैं।

## कमलेश को मिला राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मान

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र भोपाल के तत्वावधान में सत्रहवां वार्षिक आयोजन व बाल साहित्यकार सम्मान समारोह का वृहद व भव्य आयोजन हाल ही में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में पन्नालाल शर्मा बाल साहित्यकार सम्मान दुर्ग छत्तीसगढ़ के कवि व बहुचर्चित बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि कमलेश चंद्राकर के सचित्र व रंगीन पांच बालगीत संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं प्रत्येक कृति में साहित्य के विद्वानों के मानीखेज विचार व विश्लेषण भी समाहृत हैं। कई कृतियां अभी प्रकाशनाधीन हैं।

गरिमामंडित राष्ट्रीय स्तर के बाल साहित्य सम्मान समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. कुमकुम गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति मनोहर मतलानी थे। सारस्वत अतिथि योग, आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा व विशेष अतिथि प्रो. सौरभ प्रकाश की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का सफल संचालन मधुलता शर्मा ने किया। इस समूचे आयोजन के सूत्रधार केंद्र के निदेशक महेश सक्सेना विगत सत्रह वर्षो से बाल साहित्य के सर्वांगीण विकास, संरक्षण व संवर्धन के लिए पूर्णतः समर्पित हैं, प्रतिबद्ध हैं। यह एक विशेष उल्लेखनीय व अनुकरणीय आयोजन था जिसे उसके प्रभाव ने अविस्मरणीय बना दिया।

# 368 आवेदन में निपटे 71 प्रकरण, विधायक ललित ने युवाओं को दिया लर्निंग लाइसेंस

## कलेक्टर की पहल पर एक ऑख से दृष्टि बाधित 29 साल के युवक का बना आधार कार्ड

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई-रिसाली

नगर पालिक निगम रिसाली के पुरैना सुशासन शिविर में कलेक्टर अभिजीत सिंह के प्रयास से 29 साल के युवक देवेन्द्र कौशल का आधार कार्ड बन पाया। दरअसल युवक एक ऑख से दृष्टि बाधित है। कई बार प्रयास करने के बाद भी तकनीकी कारणों से आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था। शिविर में हितग्राही के अनुरोध पर कलेक्टर अभिजीत ने आधार कार्ड बनाने अधिकृत एजेंसी से संवाद कर शिविर स्थल पर ही दो बच्चों के पिता देवेन्द्र का आधार कार्ड बनवाया। सुशासन 2026 के शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पुरैना के 26 युवाओं को लर्निंग लाइसेंस सौंपा।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर शिविर में समस्या मूलक आवेदन लेकर पहुंचे लोगों से चर्चा कर समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए स्टॉल का निरीक्षण करते महतारी वंदन योजना के तहत केवाईसी कराने वाले हितग्राहियों से चर्चा की। साथ ही विधायक ने परिवहन विभाग द्वारा लगाए स्टॉल तक पहुंचे और 26 युवाओं को शिविर में बनाए गए लर्निंग लाइसेंस को सौंपा। उन्होंने शिविर में पहुंचे नागरिकों से वन टू वन चर्चा की। इसके अलावा ललित चंद्राकर ने गोद भराई रस्म में शामिल हुए। वहीं आयुक्त मोनिका वर्मा ने बालिकाओं को स्वच्छता कीट का वितरण की। इस दौरान शिविर में निगम के सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सद्स्य रंजीता बेनुआ, सनीर साहू, पार्षद पावर्ती महानंद, खिलेन्द्र चंद्राकर, मरोदा पुरैना मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

### कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सुनी लोगों की समस्याएं

शिविर में कलेक्टर अभिजीत सिंह न केवल स्टॉल तक पहुंचे, बल्कि समस्या मूलक आवेदन लेकर स्थल तक पहुंचने वाले नागरिकों से चर्चा भी की। उन्होंने पेयजल, पट्टा और अतिक्रमण से संबंधित आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदन की गंभीरता को समझे और उसका निराकरण करे। शिविर में कलेक्टर ने मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर तत्काल आवेदन कर्ता को उपलब्ध कराया।

# आयुक्त पाण्डेय ने किया जोन-1 का निरीक्षण, तालाब सफाई और नाला निर्माण युद्धस्तर पर करने के निर्देश

## वार्ड-1 में आचार संहिता का पालन, संपत्ति विरूपण पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने शुक्रवार को जोन-1 के विभिन्न क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर उन्होंने नालों की सफाई और रिटर्निंग वॉल निर्माण युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए। वार्ड-1 में उपचुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के पालन और संपत्ति विरूपण पर कड़ी कार्रवाई के आदेश भी दिए।

**भेलवा तालाब में सफाई-सौंदर्यीकरण के निर्देश :** आयुक्त ने नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब का निरीक्षण कर स्वच्छता और सौंदर्यीकरण व्यवस्था देखी। उन्होंने तालाब के आसपास नियमित सफाई, नागरिक सुविधाओं के विस्तार, खेल उपकरण और अन्य संधारण कार्यो के निर्देश दिए।

**संजय नगर नाला: गुणवत्ता से समझौता नहीं**-संजय नगर में नाला सफाई और रिटर्निंग वॉल निर्माण का जायजा लेते हुए आयुक्त ने कहा कि जलभराव से बचने के लिए नाले से गाद निकालने का काम युद्धस्तर पर पूरा हो। निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और समय सीमा तय कर वर्षा से पहले नाले का प्रवाह सुगम किया जाए।

**वार्ड-1 में नए निर्माण पर रोक:** वार्ड क्रमांक 1 में उपचुनाव को देखते हुए आयुक्त ने आदर्श आचार संहिता का बारीकी से अवलोकन किया। सार्वजनिक दीवारों और सरकारी संपत्तियों पर लगे अवैध पोस्टर, बैनर और वॉल पेंटिंग तत्काल हटाने को कहा। वार्ड सीमा में नया निर्माण कार्य शुरू न करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के पूर्व से चल रहे रोड और नाली निर्माण कार्यो का भी अवलोकन किया।

आयुक्त पांडेय ने कहा, शहर की स्वच्छता और व्यवस्थित विकास हमारी प्राथमिकता है। मानसून से पहले सभी नालों की सफाई और रिटर्निंग वॉल का कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। वार्ड-1 में आचार संहिता का पालन करते हुए संपत्ति विरूपण पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त ऐशा लहरे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना और स्वच्छता निरीक्षक मौजूद रहे।

# बीएसपी में ट्रेड अप्रेंटिस के लिए पहला बीएमडीसी प्राइड कॉम्पिटीशन, वैभव लक्ष्मी बनीं विजेता

## नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने बीएमडीसी की पहल

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) ने ट्रेड अप्रेंटिस के बीच सीखने, नवाचार और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए बीएमडीसी प्राइड कॉम्पिटीशन का पहला संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित किया। प्रतियोगिता में वैभव लक्ष्मी दुबे ने प्रथम बीएमडीसी प्राइड का खिताब जीता।

### प्रदर्शन-आधारित मंच की शुरुआत

बीएमडीसी ने यह पहल प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुभव, कार्य निष्पादन और योगदान को प्रस्तुत करने का मंच देने के लिए शुरू की है। प्रतियोगिता का मकसद अप्रेंटिस में ज्ञान साझाकरण और कौशल विकास की संस्कृति को मजबूत करना है। विजेता को प्राइड बैज - विकास उत्कृष्टता में प्रदर्शन, उत्तरदायित्व और पहल, प्रमाण-पत्र और उपहार दिया जाता है।

### नवाचार और प्रस्तुतीकरण के आधार पर मूल्यांकन

प्रतियोगिता की परिकल्पना महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) सौरभ वर्ष्णेय ने की। विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव ने मार्गदर्शन दिया। प्रबंधक अवंती वचुला और उप प्रबंधक सुष्मिता पाटला के निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन नवाचार, कार्य निष्पादन, ज्ञान साझाकरण, प्रस्तुतीकरण कौशल और आत्मविश्वास के आधार पर किया।

### 7 मई को हुआ पुरस्कार वितरण

7 मई 2026 को हुए पुरस्कार वितरण समारोह में विभागाध्यक्ष संजीव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह की प्रतिस्पर्धात्मक पहल ट्रेड अप्रेंटिस के समग्र विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह पहल अन्य विभागों के लिए भी मॉडल बन सकती है, जिससे प्रशिक्षुओं में प्रतिभा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। यह पहल मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की युवा प्रतिभाओं को विकसित करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचान देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

# बीएसपी में ईडी वर्क्स डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025-2026 आयोजित, ऑटोमेशन विभाग की टीम रही विजेता

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा 7 मई को ईडी (वर्क्स) डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025-26 का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिजिटल नवाचार और एआई आधारित कार्यस्थल समाधान विकसित करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार रहे।

प्रतियोगिता में ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण विभाग की टीम विजेता रही। टीम में अनुराधा ध्रुव, बी. वेंकट अप्पाराव और तलासमुद्रम राजेश शामिल थे। बीआरएम विभाग की टीम—भिमांशु कच्छप, बेहरा वामसी और सैतान सिंह मीणा—प्रथम उपविजेता रही। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) के प्रसाद गौडू, संज्योति तिर्के और सुधीर यादव की टीम तीसरे स्थान पर रही। विजेता टीम के प्रत्येक सदस्य को 15,000 रुपये, प्रथम उपविजेता को 10,000 रुपये और द्वितीय उपविजेता को 5,000 रुपये नकद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी व प्रमाणपत्र दिए गए।

ईडी (वर्क्स) राकेश कुमार ने कहा कि डिजिटल तकनीकों और नवाचार आधारित दृष्टिकोण का उपयोग कार्यस्थल की चुनौतियों के समाधान और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल बीएसपी में नवाचार-उन्मुख कायर्संस्कृति विकसित करने और सेल के इंडस्ट्री 4.0 विजन के अनुरूप है।

प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें से 13 टीमों ने प्रस्तुतीकरण चरण के लिए क्वालीफाई किया। मूल्यांकन नवाचार, व्यवहारिक उपयोगिता, क्रियान्वयन क्षमता और संगठनात्मक लाभ के आधार पर हुआ। निर्णायक मंडल में मुख्य महाप्रबंधक (ऑटोमेशन) रवि शंकर, महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) अजय सचदेव और महाप्रबंधक (यूआरएम) शिशिर शुक्ला शामिल थे।

गैर-कार्यपालक कर्मियों में एआई और डिजिटलीकरण कौशल बढ़ाने के लिए वार्षिक प्रतियोगिता की अवधारणा ईडी राकेश कुमार ने दी थी। मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग ने इसे क्रियान्वित किया। इसका उद्देश्य कर्मियों को एआई व इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों से वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए प्रेरित करना है। यह सेल में गैर-कार्यपालक वर्ग के लिए इस तरह की पहली पहल है। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने किया। समारोह में विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

# बारिश से पहले जलभराव रोकने निगम हुआ सक्रिय

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश पर शहर में वर्षा ऋतु के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु निगम प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों के साथ दुर्ग जेल तिराहा के बाजू मालवीय नगर जाने वाले मुख्य नाले का निरीक्षण किया।इस दौरान पार्षद संजय अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उप अभियंता करण यादव, गुडडू यादव,रामलाल भट्ट सहित टीम मौजूद रही।

निरीक्षण के दौरान नाले की सफाई व्यवस्था, जल निकासी की स्थिति तथा बरसात के समय पानी के बहाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रभारी श्री चन्द्राकर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 29, 40 एवं 45 के कई क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित होती रही है, जिससे नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के स्थायी निदान के लिए पूर्व तैयारी के तहत निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने निरीक्षण के दौरान मौके पर ही सफाई अमले को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जेसीबी मशीन की सहायता से नालियों एवं बड़े नालों की सफाई करवाई। जहां-जहां भारी मात्रा में मलमा एवं गाद जमा था, वहां खुदाई कर उसे बाहर निकलवाया गया ताकि पानी का बहाव बाधित न हो।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा प्रारंभ होने से पहले सभी प्रमुख नालों एवं जल निकासी मार्गो की सफाई पूर्ण कर ली जाए, जिससे नागरिकों को जलभराव एवं आवागमन की समस्या का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान गौरव पथ क्षेत्र में हर वर्ष होने वाली जलभराव की समस्या पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। लोक कर्म प्रभारी श्री चन्द्राकर ने बताया कि इस समस्या के समाधान हेतु संबंधित नाले की बेहतर सफाई कर उसके जल प्रवाह को मालवीय नगर नाले की दिशा में व्यवस्थित रूप से मोड़ा जा रहा है, जिससे बारिश के समय पानी का तेजी से निकास हो सके।

उन्होंने कहा कि निगम प्रशासन शहरवासियों को राहत प्रदान करने के लिए लगातार मैदानी स्तर पर कार्य कर रहा है और जहां भी जलभराव की संभावना है, वहां पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जा रही है।

# गांव-गांव में सुशासन की दस्तक : मौके पर हुआ समाधान, जनता में विश्वास-मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुशासन तिहार राज्य शासन की ऐसी अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से शासन और प्रशासन स्वयं ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह अभियान अंत्योदय की भावना को साकार कर रहा है और शासन की जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण बन चुका है। उन्होंने यह उद्बोधन जनपद पंचायत ओड़गी के ग्राम पंचायत मोहरसोप, जिला सूरजपुर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में दिया। इस अवसर पर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनका मौके पर ही समाधान कर प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं को आत्मीयता और गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उनकी सहजता और संवेदनशील व्यवहार से ग्रामीणों में विशेष विश्वास का वातावरण बना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि गांव स्तर पर ही समाधान उपलब्ध

हो। इसी उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित न रहें।

शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। यहां आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा एवं उज्ज्वला योजना सहित अनेक योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित भी किया गया। उल्लेखनीय है कि इस शिविर में कुल 872 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 828 मांग एवं 44 शिकायत से संबंधित थे। त्वरित कार्यवाही करते हुए 275 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिनमें 264 मांग और 11 शिकायतें शामिल हैं। शेष आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

शिविर में समस्याओं का त्वरित समाधान मिलने से ग्रामीणों में संतोष का माहौल देखने को मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री साय एवं राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी को कम कर दिया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेन्द्र सिंह पाटले, जनपद पंचायत ओड़गी के अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित रहे।

**खास खबर**

## जनजातीय योजनाओं की मॉनिटरिंग को मिली नई रफ्तार, मंत्री ने 8 नए वाहनों को दिखाई हरी झंडी

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मंत्री रामविचार नेताम ने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 8 जिलों के लिए नए विभागीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मैदानी क्षेत्रों में योजनाओं के संचालन एवं मॉनीटरिंग में वाहन सुविधा की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे अब दूर किया जा रहा है। इससे दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक विभागीय गतिविधियों की पहुंच और अधिक मजबूत होगी। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। नए वाहनों की उपलब्धता से जिला एवं विकासखंड स्तर पर अधिकारियों और मैदानी अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन, निरीक्षण, मॉनीटरिंग तथा हितग्राहियों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। इससे विशेष पिछड़ी जनजातियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं में तेजी आएगी।

मंत्री श्री नेताम ने विभागीय अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके विशेष समन्वय एवं पहल से वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त कर वाहन उपलब्ध कराए जा सके हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में जिला एवं विकासखंड स्तर पर भी अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि योजनाओं का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। विभागीय अधिकारियों ने इसे आदिम जाति विकास विभाग के मैदानी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में विभाग के संयुक्त सचिव बी.के. राजपूत, अपर संचालक संजय गौड़, उपायुक्त प्रज्ञान सेठ सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

## खरीफ सीजन : सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने की समीक्षा, 8800 करोड़ के कृषि ऋण का लक्ष्य

रायपुर। खरीफ सीजन 2026 के मद्देनजर राज्य के किसानों को खाद, बीज और ऋण की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने नया रायपुर स्थित निवास कार्यालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि पैक्स (पीएएक्स) समितियों में किसानों की मांग के अनुसार समय पर खाद और प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जाएं। चालू सीजन के लिए 8,800 करोड़ रुपये के कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 741 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। कुल 10 लाख मीट्रिक टन खाद वितरण के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 5.42 लाख मीट्रिक टन (54 प्रतिशत) का भंडारण पूरा हो चुका है। वर्तमान में समितियों में यूरिया (2.56 लाख टन), डीएपी (67 हजार टन), एनपीके (1.01 लाख टन), पोटाश (39 हजार टन) और एसएसपी (78 हजार टन) उपलब्ध है।

**वैकल्पिक उर्वरकों पर जोर :** मंत्री श्री कश्यप ने डीएपी की संभावित वैश्विक कमी को देखते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वैकल्पिक उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए और किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

**प्रमाणित बीजों की आपूर्ति :** बैठक में जानकारी दी गई कि इस सीजन के लिए 4.95 लाख क्विंटल बीज की मांग है। अब तक 81,640 क्विंटल प्रमाणित बीज का भंडारण किया जा चुका है। मंत्री श्री कश्यप ने बीज निगम को समितियों में जल्द से जल्द शेष आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में सहकारिता सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, मार्कफेड एमडी जितेंद्र शुक्ला, बीज निगम एमडी अजय अग्रवाल, अपेक्स बैंक एमडी केएन कांडे सहित कृषि और सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के सीईओ उपस्थित रहे।

# रेडक्रॉस दिवस लोकभवन में लगा मेगा हेल्थ कैंप

## राज्यपाल रमेन डेका ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और टीबी मरीजों को दिया फूड बॉस्केट

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका के मार्गदर्शन में लोकभवन में व्यापक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार शिविर विशेष रूप से महिलाओं के लिये आयोजित किया गया। शिविर में सामान्य बीमारियों के साथ-साथ हृदय रोग, कैंसर, किडनी, स्त्री रोग और अन्य गंभीर बीमारियों की निशुल्क जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विशेष रूप से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच के लिए स्क्रीनिंग भी की गई।

लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में जिला प्रशासन रायपुर के प्रोजेक्ट छांव के अंतर्गत आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 300 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान व्ही वाय हॉस्पिटल के मोबाइल कैंसर डिडक्शन यूनिट द्वारा महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की जांच की गई। रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें रेडक्रॉस ब्लड बैंक की मोबाइल यूनिट उपलब्ध रही।

शिविर में विभिन्न शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर की टीम द्वारा लैब जांच, बीपी और शुगर जांच की गई। वहीं एसएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट एंड आईवीएफ रिसर्च सेंटर द्वारा हृदय रोग परामर्श, ईसीजी एवं ईको जांच की सुविधा दी गई।

इसके अलावा सुयश हॉस्पिटल, मेड लाइफ हॉस्पिटल, ग्लोबल स्टार हॉस्पिटल, लोटस हॉस्पिटल एवं एडवांस यूरोलॉजी सेंटर, ममता हॉस्पिटल, बोनियी हॉस्पिटल, रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड रिसर्च, वेदांतम ग्रुप ऑफ डेंटल क्लीनिक, एसजीवी हॉस्पिटल, जगन्नाथ हॉस्पिटल, व्ही वॉय हॉस्पिटल तथा शंकरा हॉस्पिटल सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा पेट रोग, किडनी रोग, यूरोलॉजी, दंत रोग, नेत्र रोग, अस्थि रोग, स्त्री एवं शिशु रोग सहित अन्य बीमारियों की जांच और परामर्श प्रदान किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने रक्तदान करने वाले लोगों को प्रोत्साहन प्रमाण पत्र प्रदान किए, साथ ही टी.बी. मरीजों को पौष्टिक आहार किट वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

## राज्यपाल ने दिया रेडक्रॉस गतिविधियों के लिए सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज लोकभवन में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राज्यपाल रमेन डेका से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ शाखा के चेयरमैन संतोष साहू एवं अन्य पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान पदाधिकारियों ने राज्यपाल को रेडक्रॉस का बैज पहनाकर अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल श्री डेका ने भी सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रेडक्रॉस संस्था मानवता, सेवा और संवेदनशीलता का सशक्त प्रतीक है। राज्यपाल के निर्देश पर लोकभवन के आगंतुक कक्ष में रेडक्रॉस की गतिविधियों के लिए सहयोग राशि संग्रहण हेतु विशेष बॉक्स भी रखा गया है। इस बॉक्स में प्राप्त राशि का उपयोग रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित जनसेवा एवं सहायता कार्यों में किया जाएगा। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारियों ने राज्य में संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी राज्यपाल को दी।

# अब एक फोन कॉल पर मिलेगी बाजार और योजनाओं की जानकारी- मंत्री केदार कश्यप

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ सरकार ने वनांचल में रहने वाले वनोपज संग्राहकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से छत्तीसगढ़ वनोपज संरक्षण वाणी और आईवीआरएस आधारित सूचना एवं संवाद तंत्र का शुभारंभ किया। यह नवाचार राज्य के 13 लाख से अधिक वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएगा। यह डिजिटल कदम छत्तीसगढ़ के वनांचल में आर्थिक क्रांति और जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा।

**कैसे काम करेगी यह व्यवस्था ? (मिस्ड कॉल सेवा):** संग्राहकों को जानकारी प्राप्त करने के लिए किसी जटिल प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। संग्राहकों को टोल फ्री नंबर +91-9811125813 पर एक मिस्ड कॉल करना होगा। मिस्ड कॉल के बाद 911 से शुरू होने वाले नंबर से उपयोगकर्ता को कॉल बैक आएगा। कॉल रिसीव करते ही संग्राहक अपनी स्थानीय बोलियों जैसे हल्बी, गोंडी आदि में महत्वपूर्ण जानकारियां सुन सकेंगे। जानकारी सुनने के साथ ही उपयोगकर्ता अपनी राय, अनुभव और सुझाव भी रिकॉर्ड कर सकेंगे।

**प्रमुख लाभ और उद्देश्य :** स्थानीय बोलियों को प्राथमिकता के कारण वनांचल की क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी मिलने से सूचनाओं का प्रसार अधिक प्रभावी होगा। जंगल, वनोपज संरक्षण, सतत संग्रहण, बाजार भाव और सरकारी योजनाओं की सटीक जानकारी सीधे संग्राहकों तक पहुंचेगी। बाजार भाव और मूल्य संवर्धन की सही जानकारी मिलने से बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और संग्राहकों की आय बढ़ेगी। यह केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि संग्राहकों और शासन के बीच संवाद का एक मजबूत मंच बनेगा।

### वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री कश्यप का संदेश

वनोपज संग्राहकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक जानकारी पहुँचाने का यह प्रयास राज्य के लाखों परिवारों के लिए आजीविका का संबल बनेगा। वनोपज संरक्षण वाणी तकनीक और जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

**संचालन और महत्व :** यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा संचालित की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आईवीआरएस आधारित यह संवाद तंत्र राज्य में वनाधारित आजीविका को संगठित और मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित की ईडी-श्रीमती संजीता गुप्ता, डीजीएम जाधव सागर रामचंद्र, महाप्रबंधक सुबीर कुमार दत्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# सिंचाई परियोजनाओं में लाएं तेजी, भू-अर्जन और क्लीयरेंस के कार्य शीघ्र करें पूरा- मुख्य सचिव

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य में स्वीकृत विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में गति लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की कार्यकारिणी समिति की बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि भू-अर्जन और फारेस्ट क्लीयरेंस जैसी प्रक्रियाओं को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि परियोजनाओं का लाभ किसानों को जल्द मिल सके।

### बैठक की प्रमुख उपलब्धियां और परियोजनाएं

पैरी-कोडार लिंक नहर (गरियाबंद) सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय तक पाइपलाइन लिंक नहर का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से महानदी की सहायक पैरी नदी के अतिरिक्त जल का उपयोग पेयजल, निस्तारी और औद्योगिक कार्यों के लिए होगा। इससे गरियाबंद और महासमुंद जिले के 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नई सिंचाई सुविधा विकसित होगी।

मोहमेला-सिरपुर बैराज (रायपुर)-आरंग विकासखंड में महानदी पर प्रस्तावित इस बैराज से 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में उद्वहन सिंचाई सुनिश्चित होगी। यह क्षेत्र में पर्यटन, नौका विहार और सुगम आवागमन को भी बढ़ावा देगा।

मटनार बहुउद्देशीय परियोजना (बस्तर) इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित यह योजना बस्तर के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उद्वहन प्रणाली पर आधारित होने के कारण इसमें कोई विस्थापन या पुनर्वास की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी सुरक्षित रहेगी। देउरगांव उद्वहन बैराज (बस्तर) जगदलपुर के समीप इंद्रावती नदी पर बनने वाली यह परियोजना बस्तर के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के निविदा प्रारूपों पर विस्तार से चर्चा कर उन्हें अनुमोदित किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो, ऊर्जा सचिव सारांश मित्तर, वित्त विभाग की विशेष सचिव श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा सहित विभिन्न परियोजनाओं के मुख्य अभियंता और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# कबाड़ से कला तक- वेस्ट टू बेस्ट इको पार्क बना छग के लिए आकर्षण का केंद्र

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले ने स्वच्छता और सृजनात्मकता की एक नई इबारत लिखी है। दुलदुला जनपद पंचायत के पास विकसित किया गया इको पार्क आज न केवल आकर्षण का केंद्र है, बल्कि वेस्ट टू बेस्ट (कबाड़ से जुगाड़) की अवधारणा को सार्थक करने वाला एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। अनुपयोगी कचरे को सौंदर्य में बदलकर इस पार्क ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज की सोच को नई दिशा दी है।

### कचरे में बसी कला

इस पार्क की सबसे बड़ी शक्ति इसकी निर्माण शैली है। यहाँ उन वस्तुओं को जीवन दिया गया है जिन्हें लोग अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं। लोहे का कमाल पुराने लोहे के कबाड़ और मशीनरी पाट्र्स का उपयोग कर घोड़ा, मयूर और तितली जैसी सजीव व आकर्षक कलाकृतियाँ गढ़ी गई हैं। पुराने और घिसे हुए टायरों को चटकीले रंगों से सजाकर झूलों में तब्दील किया गया है, जो बच्चों के लिए खुशी का ठिकाना बन गए हैं।

**सुविधाएं, सेहत और मनोरंजन का वन-स्टॉप डेस्टिनेशन :** इको पार्क को एक बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र के रूप में ढाला गया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक युवाओं और बुजुर्गों के लिए आधुनिक ओपन जिम की स्थापना की गई है। बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित और रचनात्मक खेल सामग्रियों का प्रबंधन किया गया है। शाम के समय सुकून बिताने के लिए यह स्थान परिवारों का पसंदीदा पिकनिक स्पॉट बन चुका है।

**प्रशासनिक पहल- हरियाली और विस्तार पर जोर :** हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान इस नवाचार की मुक्तकंठ से सराहना की गई। पार्क की निरंतरता बनाए रखने के

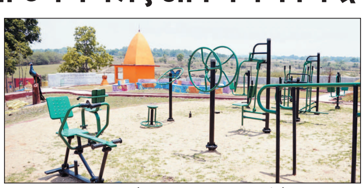

लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं परिसर को अधिक हरा-भरा बनाने के लिए बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। नियमित रखरखाव के लिए स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के लिए समर्पित टीम की व्यवस्था की गई है। जन- सुविधाओं का विस्तार कर इसे एक राज्य स्तरीय मॉडल के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है। दुलदुला का यह इको पार्क संदेश देता है कि सीमित संसाधनों और रचनात्मक सोच के साथ हम पर्यावरण संरक्षण और जन-कल्याण का शानदार समन्वय कर सकते हैं।

**भविष्य की राह :** विशेषज्ञों का मानना है कि यह पार्क छत्तीसगढ़ के अन्य विकासखंडों के लिए श्पथ-प्रदर्शक का कार्य करेगा। यह मॉडल न केवल कचरा प्रबंधन की समस्या का समाधान करता है, बल्कि कम लागत में पर्यटन और स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम भी है। जशपुर का यह प्रयोग साबित करता है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो कबाड़ भी सोना बन सकता है।

# संचालक योजना रोक्तिमा यादव को दी गई विदाई

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा 20 सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव को विभाग द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। अपने कार्यकाल के दौरान उनके उत्कृष्ट योगदान, कुशल नेतृत्व एवं समर्पित सेवाओं के लिए विभाग ने उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती रोक्तिमा यादव का स्थानांतरण आयुक्त, उच्च शिक्षा के पद पर हुआ है। इस अवसर पर संयुक्त संचालक सुरेश कुमार बंजारे, सुरेश कुमार कश्यप, डोमार सिंह वर्मा, उप संचालक श्रीमती माया तिवारी, दिनेश कुमार तिवारी, श्रीमती सरोज सिंह कंवर तथा जगत राम मधुकर सहित कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रीमती यादव के कायर्काल को प्रेरणादायक बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## संपादकीय

# आपरेशन सिंदूर मजबूत भारत की प्रतिक्रिया है

जब कोई देश किसी गंभीर मामले में कुछ कहता है और कुछ करता है तो उसकी कहने व करने की प्रतिक्रिया से ही पता चलता है कि वह मजबूत देश है या कमजोर देश है ।इससे देश के लोगों को पता चलता है कि हमारी सरकार मजबूत है, दुश्मनों को पता चलता है कि भारत एक मजबूत देश है,उससे पंगा लेने का मतलब है कि अपना बड़ा नुकसान करवाना है ।उसे सबक मिल जाता है कि भारत से पंगा लेने से अपना ही ज्यादा नुकसान करना है ।आपरेशन सिंदूर पहलगाम पर पाकपोषित आतंकवाद के हमले की दृढ़ प्रतिक्रिया थी ।गुरुवार को उसकी पहली वर्षगांठ है और देश के लोगों के लिए याद करने का दिन है कि आज जो भारत है,वह बदला हुआ भारत, आज जो भारत हैं वह नया भारत है ।उसके घर में घुसकर कोई आतंकवादी लोगों पर हमला करेगा तो भारत आतंकियों के ठिकानों को नष्ट कर सकता है ।आतंकियों के घर में घुसकर मार सकता है ।भारत ने आतंकियों को आपरेशन सिंदूर के जरिए ऐसा सबक सिखाया है कि वह अब भारत में घुसकर पहलगाम की तरह की वारदात करने से पहले सौ बार सोचेंगे और डरेंगे की इसके बाद भारत उनके साथ क्या करने वाला है।

आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने सही कहा है कि आपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिक्रिया है। भारत की सेना को मिली असाधारण विजय हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक मिसाल है। इससे हमारे सशस्त्र बलों की राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबध्दता को पता चलता है। हमारी सेना की हर स्थिति में तैयारी,पेशेवरता,समन्वित शक्ति का पता चलता है ।इससे यह भी पता चलता है कि रक्षा क्षेत्र मे आत्मनिर्भरता ने हमारी सुरक्षा कितनी मजबूत हुई है ।इससे यह भी पता चलता है कि एक साल पहले हम जिस तरह आतंकवाद को खत्म करने और उसे बढ़ावा देने वाले तंत्र को नष्ट करने संकल्पित थे आज एक साल बाद भी हम उसी आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने और उसे पालने पोसने वालों को सबक सिखाने संकल्पित हैं।

सच है कि आपरेशन सिंदूर मजबूत भारत का एक ऐतिहासिक मिशन है जो हमेशा हमारे दुश्मनों को हमारी सशस्त्र सेना की सटीक प्रहार शक्ति की याद दिलाएगा। यह हर साल हमारे दुश्मनों को साफ संदेश देता रहेगा कि वह भारत पर आतंकवादी हमला कर चाहे कहीं भी छिपा हो वह बच नहीं सकता। वह हमेशा भारत की नजर मे है और भारत जब चाहे उनको सबक सीखा सकता है। आपरेशन सिंदूर के बार मे हमारे देश के कुछ देश विरोधी लोगों ने बहुत कुछ गलत कहा था, पूछा था कितने विमान भारत के गिरे हैं। आज हमारे देश के सेना के अधिकारियों ने उन तमाम देश विरोधी लोगों को यह बता दिया है कि विमान हमारे नहीं गिरे थे। विमान तो भारतीय सेना ने दुश्मनो को गिराए थे, सेना के सटीक प्रहार से 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

सेना ने आज देश के आपरेशन सिंदूर के खिलाफ बोलने वालों को बता दिया है कि सरेंडर भारत ने नहीं किया था सरेंडर को मार खाने के बाद पाकिस्तान ने किया था। भारत को तो जो लक्ष्य हासिल करना था, वह उसे एकदिन में ही हासिल कर लिया था और पाकिस्तान को साफ बता दिया था कि भारत का हमला पाकिस्तान पर नहीं है, पाक में छिपे आतंकियों के ठिकाने पर है ।साथ ही यह भी बता दिया गया था कि यदि पाकिस्तान भारत पर हमला करता है तो भारत उसका जवाब देगा पाकिस्तान ने हमला किया और भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को बता दिया कि भारत पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के हमले अब बिलकुल भी सहन नहीं करेगा। यह पुराना भारत नहीं है कि अमरीका से शिकायत करेगा ।यह नया भारत है यह अपने मसले खुद हल करने में सक्षम है।

भारत ने दुनिया के देशों को बता दिया कि भारत की सैन्य क्षमता क्या है। वह सटीक हमला करना जानता है और रक्षा करना भी उसे आता है। भारत ने हमेशा कहा है कि वह शांति का पक्षधर है लेकिन यदि कोई भारत पर किसी भी तरह का हमला करेगा तो भारत उसका जवाब देगा और ऐसा जवाब देगा कि सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग हमला करने वाला करेगा ।आज बड़े देश रूस व अमरीका सैन्य कार्रवाई करके युध्द में बरसो महीनों से उलझे हुए हैं तो भारत आपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ मना रहा है और दुनिया को संदेश दे रहा है कि भारत को बगैर युध्द मे उलझे सैन्य कार्रवाई करना आता है और दुश्मनों को घुटनों पर कैसा लाया जाता है यह भी बखूबी आता है। भारत के पास प्रहार करने की सटीक क्षमता है और ठीक समय पर सैन्य कार्रवाई रोकने का विवेक भी है,युध्द चाहने वाले कुछ भी कहते रहे लेकिन नया भारत वही करता है जिसमे देश का हित होता है।

# 'सोनार बंगला' का शुभ शपथ संकल्प

## भयमुक्त बंगाल, राष्ट्रीय प्रथम और जनविश्वास की नई यात्रा

*आचार्य डॉ. अजय आर्य*

**मई 2026 का यह ऐतिहासिक दिवस पश्चिम बंगाल की राजनीति में केवल सत्ता परिवर्तन का दिन नहीं माना जाएगा, बल्कि यह उस नई वैचारिक और राजनीतिक दिशा का प्रतीक बनेगा जिसमें 'सोनार बंगला', 'राष्ट्र प्रथम' और 'भयमुक्त समाज' का संकल्प एक साथ दिखाई देता है। इसी ऐतिहासिक दिन मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के प्रथम भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की।**

यह संयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया कि यह शपथ ग्रहण उस दिन हुआ जिसे गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की स्मृतियों और उनके राष्ट्रचिंतन से भी जोड़ा जाता है। गुरुदेव ने जिस सोनार बंगला की कल्पना की थी, वह केवल समृद्धि का नहीं बल्कि सांस्कृतिक गौरव, आत्मसम्मान, ज्ञान और मानवता से भरे समाज का स्वप्न था। आज बंगाल की नई सरकार उसी भावना को आधुनिक विकास, सुरक्षा और राष्ट्रीय चेतना के साथ जोड़ने का प्रयास करती दिखाई दे रही है।

कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित यह समारोह जनसमर्थन, संगठन शक्ति और राजनीतिक ऊर्जा का विराट दृश्य बन गया। चारों ओर भगवा ध्वज, राष्ट्रवादी नारों की गूंज, कार्यकर्ताओं का उत्साह और स्वतःस्फूर्त भीड़ यह संकेत दे रही थी कि बंगाल में एक नया राजनीतिक अध्याय प्रारंभ हो चुका है। समारोह का सबसे भावुक दृश्य तब सामने आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुराने सहयोगी माखनलाल सरकार का सम्मान किया, उन्हें गले लगाया और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य केवल सम्मान का नहीं बल्कि भारतीय राजनीतिक संस्कृति में कार्यकर्ता के महत्व का प्रतीक बन गया।

आज की राजनीति में जहां अनेक दलों में कार्यकर्ता केवल भीड़ का हिस्सा बनकर रह जाते हैं, वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह व्यवहार यह संदेश देता है कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। यही वह अंतर है जिसने भाजपा को केवल चुनावी दल नहीं बल्कि वैचारिक संगठन के रूप में स्थापित किया है।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक और दृश्य ने लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी रथनुमा विशेष वाहन में जनता का अभिवादन करते हुए मंच की ओर बढ़ रहे थे। मार्ग के दोनों ओर उमड़ी भारी भीड़, लोगों का उत्साह और कार्यकर्ताओं की ऊर्जा देखकर प्रधानमंत्री ने अचानक वाहन से उतरकर पैदल मंच तक जाने का निर्णय लिया। उनके साथ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी पैदल आगे बढ़े।

यह दृश्य केवल राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि जननेता और जनता के बीच जीवंत संबंध का उदाहरण था। नरेंद्र मोदी लंबे समय से पीपल कनेक्ट की राजनीति के लिए पहचाने जाते हैं। वे जानते हैं कि जनता का विश्वास वातानुकूलित कमरों में बैठकर नहीं जीता जा सकता। जनता के बीच जाना पड़ता है, उनके उत्साह को स्वीकार करना पड़ता है और स्वयं को उनसे जुड़ा हुआ दिखाना पड़ता है। यही कारण है कि देश के अनेक राजनीतिक विश्लेषक नरेंद्र मोदी को केवल प्रधानमंत्री नहीं बल्कि जनभावनाओं को समझने वाला नेतृत्व मानते हैं।

बंगाल की यह विजय केवल राजनीतिक समीकरणों का परिणाम नहीं मानी जा रही। भाजपा ने यहां भयमुक्त बंगाल, सुरक्षा, विकास और विश्वास के आधार पर वैकल्पिक वातावरण तैयार किया। लंबे समय से राजनीतिक हिंसा और वैचारिक संघर्ष से प्रभावित बंगाल की जनता परिवर्तन चाहती थी। भाजपा ने जिसका साथ, उसका विकास के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाया।

नई सरकार के मंत्रिमंडल की संरचना भी गहरी राजनीतिक सोच को दर्शाती है। भाजपा ने केवल बड़े राजनीतिक चेहरों को आगे नहीं बढ़ाया बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए नेतृत्व तैयार किया। दिलीप घोष जैसे संगठन के मजबूत स्तंभ, श्रीमती अग्निमित्रा पॉल जैसी सांस्कृतिक और महिला नेतृत्व की पहचान, निशीथ प्रमाणिक जैसे युवा नेतृत्व तथा खुदिराम टुडू जैसे आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं को महत्व देकर भाजपा ने यह संदेश दिया कि नई सरकार व्यापक सामाजिक भागीदारी के आधार पर चलेगी।

इन नेताओं का चयन केवल राजनीतिक गणित नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व, संगठन निष्ठा और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया गया है। भाजपा यह स्पष्ट करना चाहती है कि बंगाल की नई सरकार केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक संस्कृति परिवर्तन का प्रयास है।

समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुभेंदु अधिकारी को भगवा वस्त्र पहनाना भी अत्यंत प्रतीकात्मक क्षण रहा। यह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, वैचारिक एकात्मता और राष्ट्रीय चेतना के नए स्वरूप का संदेश माना गया। इस पूरे आयोजन में एक और विशेष बात स्पष्ट रूप से दिखाई दी । भाजपा ने बंगाल में केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने का प्रयास नहीं किया, बल्कि भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव स्थापित करने का भी प्रयास किया। यही कारण है कि शपथ ग्रहण समारोह केवल राजनीतिक मंच नहीं बल्कि जनआस्था और जनउत्साह का विशाल उत्सव बन गया।

विपक्ष के लिए यह पूरा घटनाक्रम अनेक गंभीर संकेत छोड़ता है। जनता अब केवल नारों, जातीय समीकरणों और भय आधारित राजनीति से प्रभावित नहीं होती। जनता ऐसे नेतृत्व को स्वीकार कर रही है जो कार्यकर्ताओं को सम्मान दे, जनता के बीच पैदल चल सके और विकास को राजनीतिक केंद्र में रखे। लेकिन बंगाल की नई सरकार के सामने चुनौतियां भी अत्यंत बड़ी हैं। सोनार बंगला का सपना केवल चुनाव जीत लेने से पूरा नहीं होगा। राज्य में उद्योगों का पुनर्जीवन, युवाओं के लिए रोजगार, कानून व्यवस्था में सुधार, राजनीतिक हिंसा का अंत और सामाजिक सौहार्द की स्थापना सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने जिस बंगाल की कल्पना की थी, वह भयमुक्त, ज्ञानमय और आत्मसम्मान से परिपूर्ण समाज था। अब बंगाल की नई सरकार के सामने चुनौती यही है कि वह राजनीतिक विजय को जनकल्याण में परिवर्तित करे। यदि सरकार जनता के विश्वास को बनाए रखने में सफल रहती है, तो यह शपथ समारोह इतिहास में सोनार बंगला के नवजागरण के प्रारंभ के रूप में याद किया जाएगा।

**( लेखक गैर राजनीतिक, समाज सेवी एवं आर्य समाज के विद्वान विचारक हैं )**

# नगर पालिक निगम की इको-स्टेप योजना से गार्डन बन रहे " ग्रीन हट"

*नई दृष्टिबिंदु / कोरबा*

**नगर पालिक निगम कोरबा की इको-स्टेप बैंकर्स ग्रीन एप्रोच योजना से निगम के गार्डन ग्रीन हट बन रहे हैं, इन उद्यानों में तपती गर्मी के बीच ठंडे सुकून की तलाश में लोगों की भारी भीड़ जुट रही है, लोग सपरिवार घनी हरीतिमा व आक्सीजन से भरपूर वातातवरण में समय बिता रहे हैं, वाकिंग कर रहे हैं, योगा प्राणायाम कर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं, वहीं इन उद्यानों में बैंकों द्वारा स्थापित ब्रांडिंग बोर्ड जहाँ एक ओर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते नजर आ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर हरे भरे पेड़-पौधों व ठंडी घांस से आच्छादित उद्यान अपनी जीवन्तता प्रस्तुत कर रहे हैं, वर्तमान में इसका ताजा उदाहरण बना है, घंटाघर निहारिका मार्ग पर स्थित**

निगम का स्मृति उद्यान।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अपनी पदस्थापना के समय से ही एक ओर जहाँ शहर की स्वच्छता, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, शहर सौदंर्यीकरण, अवैध कब्जों को दूर करने व शहर को व्यवस्थित करने की दिशा में धरातलीय स्तर पर ठोस कार्य प्रारंभ कराया था, वहीं दूसरी ओर शहर में हरीतिमा बिखेरने, ग्रीन कारिडोर तैयार करने, सड़क डिवाईडर व रोड साईट में पौधों को रोपण करने, उद्यानों को ग्रीन हट का स्वरूप देते हुये पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सुनियोजित कार्ययोजना के तहत कार्यवाही प्रारंभ कराई थी, आज एक ओर जहाँ सम्पूर्ण शहर में इसके सकारात्मक परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं, हरीतिमा बिखर रही है, वहीं दूसरी ओर निगम के प्रमुख उद्यान ग्रीन हट का स्वरूप धारण कर रहे हैं। बुजुर्ग हो या जवान, बच्चे हो या महिलाएं सभी जन उद्यानों के बदले स्वरूप का लुत्फ उठा रहे हैं, परिणाम स्वरूप आज इन उद्यानों में तपती गर्मी के बीच ठंडे-ठंडे सुकून के लिये हरीतिमा युक्त वातावरण का लाभ उठाने के लिये सुबह-शाम लोगों की भीड़ जुट रही है, उद्यान गुलजार हो रहे हैं।

### प्रभारी सचिव व महापौर ने किया था इको-स्टेप योजना का शुभारंभ

नगर निगम कोरबा की इस अभिनव योजना इको-स्टेप बैंकर्स ग्रीन एप्रोच का शुभारंभ 04 दिसम्बर 2025 को छत्तीसगढ़ शासन के सचिव एवं कोरबा जिला के प्रभारी सचिव रोहित यादव एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया था, इस योजना के तहत निगम के उद्यानोंके संधारण, संरक्षण व संचालन आदि की महती जिम्मेदारी विभिन्न बैंकों को दी गई थी, जिसके तहत यह प्रावधान रखा गया था कि बैंकर्स अपने सीएसआर मद से इन उद्यानों कें संधारण संरक्षण व वहाँ पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे तथा इसके बदले में वे उद्यानों में अपने ब्रांडिंग बोर्ड स्थापित कर अपनी ब्रांडिंग करेंगे तथा साफ-सफाई, स्वच्छता व पर्यावरण का संदेश भी इनके माध्यम से देंगे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने जिन प्रमुख 05 उद्यानों के संचालन, संधारण व संरक्षण हेतु विभिन्न 05 बैंकों को दिया गया था, उनमें एच.डी.एफ.सी. बैंक को स्मृति उद्यान, महाराष्ट्रा बैंक को पुष्पलता उद्यान, इंडियन ओवरसीज बैंक को साडा कालोनी शिव मंदिर उद्यान, आई.डी.एफ.सी. बैंक को महाराणा प्रताप उद्यान तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया को रविशंकर नगर उद्यान की जिम्मेदारी दी गई है।

### निगम को हो रही 50 लाख रूपए की वार्षिक बचत

निगम द्वारा इन उद्यानों के संधारण, संरक्षण व संचालन हेतु प्रतिवर्ष 50 लाख रूपये का व्यय किया जाता था, अब इन उद्यानों की जिम्मेदारी बैंकों को दिये जाने से निगम को प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख रूपये की बचत हो रही है, तो वहीं दूसरी ओर उद्यानों की व्यवस्थाएं सुधरी हैं।

# सोमनाथ : भारत की अजेय आत्मा का एक प्रतीक !

*नरेन्द्र मोदी*

**जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।**

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कणर्देव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, 'इइस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी ।इइ उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भीइ के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारतइ की भावना और सशक्त हो रही है।

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

**( लेखक भारत के प्रधानमंत्री है तथा श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी है।)**

# बिलासपुर में वन विकास निगम की हरित क्रांति अरपा नदी के संरक्षण के लिए विशेष अभियान शुरू

*नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर*

## 5 वर्षों में रोपे गए 27 लाख से अधिक पौधे, 951 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैला हरित आवरण

**पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार सतत भविष्य के लिए अनिवार्य है। इसमें वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण और जन जागरूकता प्रमुख हैं। शहरी क्षेत्रों में मियावाकी पद्धति से पौधारोपण, प्लास्टिक प्रतिबंध और जल प्रदूषण कम किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य, समृद्धि और पारिस्थितिक संतुलन बना रहता है। वनों की रक्षा, बंजर भूमि का पुनरुद्धार और सामुदायिक उद्यान विकसित करना है।**

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के बिलासपुर जिले के (कोटा परियोजना मंडल) पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार में एक नया कीतिर्मान स्थापित किया है। विगत पांच वर्षो (2021 से 2025-26) के दौरान निगम ने जिले के विभिन्न अंचलों में योजनाबद्ध तरीके से 27 लाख 14 हजार 350 पौधों का रोपण कर 951.980 हेक्टेयर क्षेत्र को हरा-भरा कर दिया है।

**वृक्षारोपण के प्रमुख आंकड़े और प्रजातियां :** 852 हेक्टेयर के 66 कक्षों में 21.30 लाख पौधे लगाए गए, जिनमें मुख्य रूप से बेशकीमती सागौन का रोपण किया गया। सघन और त्वरित वृद्धि के लिए नीलगिरी और सागौन के उन्नत क्लोनल पौधों का रोपण किया गया। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में 3.16 लाख से अधिक पौधे लगाकर ग्रीन कवर बढ़ाया गया।

**अरपा नदी का संरक्षण- एक विशेष पहल :** नदी पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित करने के लिए वर्ष 2025-26 में अरपा नदी के तटों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत कम जगह में घने जंगल विकसित करने के लिए अरपा किनारे 3.620 हेक्टेयर में 20,300 पौधे रोपे जाएंगे। नदी के किनारों पर सघन ब्लॉक वृक्षारोपण और रामसेतु क्षेत्र में विशेष हरियाली विकसित की जाएगी, जिससे भू-क्षरण रुकेगा।

**दूरगामी प्रभाव :** वन विकास निगम के ये सतत प्रयास न केवल बिलासपुर के स्थानीय जलवायु संतुलन को बनाए रखने में मददगार साबित हो रहे हैं, बल्कि इससे भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के संरक्षण का एक मजबूत आधार भी तैयार हो रहा है। निगम का यह अभियान प्रदेश की हरित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

# जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी

वेदों में 'मां' को 'अंबा', 'अम्बिका', 'दुर्गा', 'देवी', 'सरस्वती', 'शक्ति','ज्योति','पृथ्वी' आदि नामों से संबोधित किया गया है। इसके अलावा 'मां' को 'माता', 'मात', 'मातृ', 'अम्मा', 'अम्मी', 'जननी', 'जन्मदात्री', 'जीवनदायिनी', 'जनयत्री', 'धात्री', 'प्रसू' आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। रामायण में श्रीराम अपने श्रीमुख से 'मां' को स्वर्ग से भी बढ़कर मानते हैं। वे कहते हैं–

*'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।'*

अर्थात, जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

महाभारत में जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल करते हैं कि 'भूमि से भारी कौन' तब युधिष्ठर जवाब देते हैं–

*'माता गुरुतरा भूमेरू।'*

अर्थात, माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं।

इसके साथ ही महाभारत महाकाव्य के रचियता महर्षि वेदव्यास ने 'मां' के बारे में लिखा है–

*'नास्ति मातृसमा छाया,*
*नास्ति मातृसमा गतिः।*
*नास्ति मातृसमं त्राण,*
*नास्ति मातृसमा प्रिया।।'*

अर्थात, माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और माता के समान कोई प्रिय चीज नहीं है तैतरीय उपनिषद में 'मां' के बारे में इस प्रकार उल्लेख मिलता है–

'मातृ देवो भवः।'
अर्थात, माता देवताओं से भी बढ़कर होती है।

'शतपथ ब्राह्मण' की सूक्ति कुछ इस प्रकार है–

*'अथ शिक्षा प्रवक्ष्यामः*
*मातृमान पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः।'*

अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।

'मां' के गुणों का उल्लेख करते हुए आगे कहा गया है–

*'प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता*
*विद्यते यस्य स मातृमान।'*

अर्थात, धन्य वह माता है जो गर्भावान से लेकर, जब तक पूरी विद्या न हो, तब तक सुशीलता का उपदेश करे।

हितोपदेश–

*आपदामापन्तीनां हितोप्यायाति हेतुताम ।*
*मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने?*

जब विपत्तियां आने को होती हैं, तो हितकारी भी उनमें कारण बन जाता है। बछड़े को बांधने में मां की जांघ ही खम्भे का काम करती है।

स्कन्द पुराण–

*नास्ति मातृसमा छाया*
*नास्ति मातृसमा गतिः।*
*नास्ति मातृसमं त्राण,*
*नास्ति मातृसमा प्रिया।।'*

माता के समान कोई छाया नहीं, कोई आश्रय नहीं, कोई सुरक्षा नहीं। माता के समान इस दुनिया में कोई जीवनदाता नहीं।

# मां, तुम मेरा सर्वस्व हो

**ईश्वर ने दुनिया बनाई। जब उसे लगा कि वह अकेले इसकी देखभाल नहीं कर सकता तो उसने मां की रचना की।**

एक एहसास है मां। प्यार भरी लोरी है, जिसे सुनते ही बच्चे को नींद आ जाती है, वह आंख है, जो बच्चे के लिए रात-रात भर जागती है। तावीज बनकर बुरी नजर से बचाती है तो गर्म दुपहरी में छांह बन जाती है। मां सुबह की नर्म-मुलायम धूप है, जो तन-मन में ऊर्जा जगा देती है, हवा है- छू कर गुजरे तो दिल को सुकून मिल जाता है, वह आंचल है, जिसमें छुप कर हम दुनिया की हर तकलीफ को भुला देते हैं, वह गोद है जो हमारी ख्वाबगाह बन जाती है। मां कोई जादूगर है, जो हमारे मन की हर बात समझ जाती है, जिसे हमारा चेहरा देखते ही समझ आ जाता है कि हमें क्या चाहिए। मां वह आईना है, जिसमें हम खुद को देखते हैं और खुदा को महसूस करते हैं..।

## हर मोड पर है नई चुनौती

..लेकिन क्या मां की जिंदगी किसी कविता जैसी सहज और आसान है? बच्चे को कोख में धारण करने, जन्म देने, परवरिश, करियर और शादी से लेकर उनके बच्चों के जन्म तक मां एक ही जीवन में कई जीवन जीती है। हर जीवन नई चुनौतियां लेकर आता है। मां की पूरी जिंदगी एक रोलर-कोस्टर की तरह है।

पिछले कुछ वर्षों में तो मां की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। राशन-बिलों की लंबी लाइनों में खडी, सब्जी वाले से मोलभाव करती, ग्रॉसरी स्टोर में स्कीम्स पर नजर दौडाती, काम वाली बाई को हिदायतें देती और फिर घडी की सुइयों से भी तेज भागते हुए दफ्तर पहुंचती इस मां का जीवन बहुत बदल चुका है। वह टीनएज बच्चों की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद रहती है और उन पर नजर रखने की हरसंभव कोशिशें करती है। फेसबुक पर अनफ्रेंड कर दिए जाने के बावजूद बच्चों के अकाउंट एक्सेस कर लेने को अपनी जीत मान लेती है। वह ई-मेल और वेबकैम से दूर बसे बेटा-बेटी का हालचाल लेती है तो एसएमएस के जरिये डाइट और दिनचर्या के बारे में सख्त हिदायतें देना भी नहीं भूलती..। मां आत्मनिर्भर है, आत्मविश्वास से भरपूर है, बच्चों की दोस्त है..। मगर बच्चे की आंख में आंसू नहीं देख पाती। मां के इस सफर में हजारों मुश्किलें हैं। पालक, संरक्षक, सलाहकार, नर्स, शिक्षक जैसी हर भूमिका मां एक साथ निभाती है। सच यह है कि मां भी बच्चों के साथ धीरे-धीरे बडी होती है, परिपक्व होती है। मां की इस यात्रा में कई मोड आते हैं।

## जन्म लेती मां

बच्चे के जन्म से पहले ही मातृत्व का अनोखा सफर शुरू हो जाता है। शिशु मां पर निर्भर होता है। उसके साथ सोना-उठना, हर पल उसे अपनी मौजूदगी का एहसास कराना, उसकी हर पीडा को बिना कहे समझ जाना..। फैशनेबल कपडे, दोस्त, पार्टीज, लेट नाइट मूवीज, शॉपिंग, सामाजिक आयोजन.., मां कुछ साल दुनियादारी से पूरी तरह कट कर सिर्फ बच्चे की होकर रह जाती है। बच्चा फुलटाइम जॉब है-मां होलटाइमर। अब उसके पर्स में मेकअप का सामान और एक्सेसरीज नहीं, बल्कि दूध की बॉटल, डाइपर्स, कैंडीज मिलती हैं।

## उलझनें नई मां की

प्रसव के दौरान मां का तनाव और दबाव बढता है। एक शोध के मुताबिक लगभग 13 फीसदी स्त्रियां प्रसव के बाद डिप्रेशन से जूझती हैं। क्लिनिकल भाषा में इसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। यह अस्थायी होता है, लेकिन समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे स्त्री में नकारात्मक दृष्टिकोण व असुरक्षा-भय पैदा होने लगता है जो साइको सोमेटिक डिसॉर्डर के रूप में दिखता है। इस दौरान खुशी देने वाले हॉर्मोस जैसे सेरोटोनिन का स्तर घटता है। यह ब्रेन से रिलीज होने वाला हॉर्मोन है, जो मूड अच्छा करता है। बढती जिम्मेदारियां, शारीरिक परिवर्तन, समय का अभाव और भूमिकाओं का द्वंद्व भी डिप्रेशन का कारण बनता है।

## बडी होती मां

मां सबसे ज्यादा खुद को अपडेट कब करती है? इसका जवाब है- जब बच्चे टीनएज में आते हैं। बच्चों की टीनएज दरअसल मातृत्व की भी टीनएज है। अब मां को गाइड के साथ ही दोस्त की भूमिका भी निभानी पडती है। मां की पदोन्नति होती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी बढती हैं। उसे समझना पडता है कि कैसे कठोर अनुशासन और लचीलेपन के साथ बीच की राह खोजे।

## पेरेंटिंग का द्वंद्व

इस मोड पर दिल न तो बच्चों की बातों को सही ठहरा पाता है, न पूरी तरह उन्हें खारिज कर पाता है। मां यह अपेक्षा तो रखती है कि बच्चा जिम्मेदार बने, लेकिन यह नहीं समझ पाती कि उसे कितनी आजादी दे। अभी तुम बच्चे हो और तुम बडे हो गए हो के बीच का द्वंद्व मातृत्व की टीनएज को बहुत परेशान करता है। दूसरी ओर टीनएजर्स की बदलती दुनिया भी हैरान करती है।

## परिपक्व होती मां

बच्चों के साथ ही मां भी परिपक्व होती है। उसमें स्थायित्व आता है। मातृत्व अब उसे इतना हैरान-परेशान नहीं करता। मां के सफर का यह ऐसा पडाव है, जहां वह पूरी तरह निश्चिंत न सही, मगर थोडा सुकून से बैठ सकती है। यहां पहुंच कर जीवन में ठहराव आता है, मगर युवा बच्चों की दुनिया में कई बार वह थोडा असहज भी महसूस करने लगती है। यह स्थिति खासतौर पर तब आती है जब बच्चे उच्च शिक्षा या करियर के लिए दूर चले जाएं या उनकी शादी हो जाए।

## बचपन में लौटती मां

मातृत्व की राह का यह चौथा पडाव बेहद खूबसूरत होता है। यहां आकर एक बार फिर बचपन को जीने लगती है मां। नानी-दादी बनने का यह नया एहसास कुछ अलग सा होता है। तुम्हारी मां भी ऐसी ही थी बचपन में.., तुम्हारे पापा भी इतने जिद्दी थे.., इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराता नजर आता है। नाती-पोतों-पोतियों के साथ खेलती-खाती, हंसती-गुनगुनाती है मां..।

## खुश रहें-संतुष्ट रहें

शरीर की सीमाएं हैं, लेकिन मन की कोई सीमा नहीं। शरीर चुकने लगे तो मन को जवां बनाएं। अपनों का साथ हो तो उम्र का यह दौर बहुत संबल देता है। इस दौर में अगर दो पीढियां तीसरी पीढी को अपने-अपने समय के सर्वोत्तम मूल्य दे सकें तो बहुत अच्छा हो।

नानी-दादी प्रेरणादायक कहानियां सुना सकती हैं, मूल्यों व परंपराओं के बारे में बता सकती हैं। थोडी सी समझदारी से मातृत्व का यह चौथा पडाव खूबसूरत बन सकता है, बस जरूरत है दृष्टिकोण बदलने की। अपनी आंखों में नई दुनिया बसाएं और मां के इस सफरनामे में खुशनुमा अध्याय जोडें।

# शुक्रिया मां!

मां, इस एक शब्द को सुनने के लिए नारी अपने समस्त अस्तित्व को दांव पर लगाने को तैयार हो जाती है। नारी अपनी संतान को एक बार जन्म देती है। लेकिन सच तो यह है कि बच्चे के बड़े होने तक अलग-अलग रूपों में खुद उसका पुनर्जन्म होता है। यानी एक शिशु के जन्म के साथ ही स्त्री के कई खूबसूरत रूपों में लगातार अभिव्यक्त होती है। पल- पल उसके दिल के सागर में ममता की मार्मिक लहरें आलोड़ित होती है। अपने हर ज्वार के साथ उसका रोम-रोम अपनी संतान पर न्योछावर होने को बेकल हो उठता है। नारी अपने कोरे कुंवारे रूप में जितनी सलोनी होती है उतनी ही सुहानी वह विवाहिता होकर लगती है लेकिन उसका नारीत्व संपूर्णता पाता है मां बन कर। संपूर्णता के इस पवित्र भाव को जीते हुए वह एक दिव्य अलौकिक प्रकाश से भर उठती है। उसका चेहरा अपार कष्ट के बावजूद हर्ष से चमकने लगता है जब एक नर्म गुदगुदाता जीव उसके कलेजे से आ लगता है। उसका अपना प्राकृतिक सृजन जब उसे देखकर चहकता है तो उसकी आंखों में खुशियों के हजारों दीप झिलमिलाने लगते हैं। लाज और लावण्य से दीपदिपाते-पुलकित इस भाव को किसी भाषा, किसी शब्द और किसी व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती। मां शब्द की पवित्रता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि हिन्दू धर्म में देवियों को मां कहकर पुकारते है। बेटी या बहन के संबोधनों से नहीं। मदर मैरी और बीवी फातिमा का ईसाई और मुस्लिम धर्म में विशिष्ट स्थान है। माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक दिवस नहीं एक सदी भी कम है। किसी ने कहा है ना कि सारे सागर की स्याही बना ली जाए और सारी धरती को कागज मान कर लिखा जाए तब भी मां की महिमा नहीं लिखी जा सकती। इसीलिए हर बच्चा कहता है मेरी मां सबसे अच्छी है। जबकि मां, इसकी- उसकी नहीं हर किसी की अच्छी ही होती है, क्योंकि वह मां होती है। मातृ दिवस पर हर मां को उसके अनूठे अनमोल मातृ-बोध की बधाई।

## मां के लिए बस एक दिन?

बड़ी अनुपम (सुखमय) अनुभूति होती है, जब हम अपनी मां को महत्व देते हैं। लेकिन क्या मां को याद करने के लिए सिर्फ 'एक ही दिन' पर्याप्त है? मां की ममता तो असीमित है, तो उनके लिए हमारा आदर क्यों सिर्फ एक ही दिन के लिए सीमित रहे? हम चाहे तो हर दिन को अपनी मां के लिए महत्वपूर्ण बना सकते हैं। वह तो हमारे जीवन की हर राह पर साथ है।

मां की ममता को याद कर, उनके दिए साथ को कभी न भुलाकर हम उन्हें खास दिन पर खास बना सकते हैं। उन्हें यह अहसास दिलाकर कि- 'मां, जिस तरह आपने मेरे जीवन की हर राह पर मेरा साथ दिया, मैं भी उसी तरह हर कदम पर आपके साथ खड़ी हूं। जब मेरे कदम लड़खड़ाए थे, तब मां सिर्फ आपने ही मुझे सहारा दिया। जब मेरी आंखों से आंसू गिरे, आपके आंचल ने ही उन आंसुओं को पोंछा। लेकिन अब सिर्फ मेरी बारी है तुम्हें सहारा देने की, तो मैं क्यों पीछे हटूं? जब आपके कदम लड़खड़ाएंगे, तो मैं भी हर कदम पर आपके साथ हूं।' हमारे समाज में हर बात को महत्व देने के लिए 365 दिनों में से सिर्फ 'एक दिन' तय कर दिया गया है, पर मां को महत्व देने के लिए सिर्फ एक दिन काफी नहीं है। जिस तरह मां की ममता और प्रेम 'असीमित और निःस्वार्थ' है, उसी तरह मां के लिए हर दिन एक महत्व लिए होना चाहिए और सिर्फ दिन ही क्यों बल्कि हर क्षण वह हमारे लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

अगर हम भी बिना किसी स्वार्थ के उन्हें आदर देकर, मां की ममता को भूले बिना और उनका हर सुख-दुःख में साथ दें तो अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं। क्यों न हम सिर्फ 'एक ही दिन' को मां के लिए महत्वपूर्ण न बनाकर 'हर क्षण' को सदियों तक मां के लिए महत्वपूर्ण बनाएं। उसे हर क्षण यह अहसास दिलाएं कि वे हमारे जीवन में एक 'सम्माननीय पद' पर आसीन हैं ताकि हर दिन एक ममता दिवस के रूप में यादगार बन जाए।

# 90 के दशक के हर बच्चे की यादों में आज भी कैद हैं मां के साथ बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल

**अगर आप भी 90 के दशक में पैदा हुए हैं, तो यकीन मानिए यह आर्टिकल आपको यादों के गलियारों में ले जाएगा। मां के साथ, बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल, आपको इमोशनल कर देंगे।**

बचपन में स्कूल से घर लौटकर, सबसे पहले हम मां को ही ढूंढते थे। वैसे, मेरी आदत में तो आज भी कोई खास बदलाव नहीं आया है। ऑफिस से घर आकर, सबसे पहले, मैं मां को ही आवाज लगाती हूं। बेशक, हम 90 के दशक में पैदा हुए बच्चे, अब बड़े हो चुके हैं और बचपन बस हमारी यादों में रह गया है। लेकिन, सच बताउं जब मैं मां के पास आती हूं, तो लगता है उनके लिए, आज भी मैं बचपन वाली गुड़िया ही हूं। खैर, वक्त के लिहाज से तो हम बचपन से काफी आगे निकल गए हैं और मां के साथ भी अब हमारा रिश्ता और ज्यादा गहरा और प्यारा हो गया है। क्योंकि, अब हम और ज्यादा अच्छे से मां के प्यार को समझने लगे हैं।

आज के बच्चों के लिए, मां और उनका रिश्ता, बेशक थोड़ा ज्यादा मॉर्डन और डिफरेंट है, लेकिन हम 90 के किड्स के लिए ये थोड़ा अलग है। मदर्स डे बस आने ही वाला है। तो, चलिए, इस खास मौके पर, मेरा हाथ थामकर जरा यादों के फ्लैक बैक टाउन का एक चक्कर लगाइए। अगर आप भी मेरी तरह 90 के दशक में पैदा हुए हैं, तो यकीन मानिए यह आर्टिकल आपको यादों के गलियारों में ले जाएंगे। मां का साथ, बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल, आपको इमोशनल कर देंगे।

### स्कूल से आकर मां को सब कुछ बताना

स्कूल मे क्लास टीचर ने क्या कहा..किसी टीचर ने शाबासी दी या नहीं...गेम्स पीरियड में क्या हुआ...लंच किस-किसके साथ खाया और ब्रेस्ट फ्रेंड स्कूल आई थी या नहीं, क्या आप भी मेरी तरह, स्कूल से घर आकर, अपनी मां को ये सारी बातें बताया करते थे? वैसे, आज भी कुछ खास बदला नहीं है। स्कूल की जगह, अब ऑफिस हो गया है, लेकिन मां से गॉसिप शेयर करना तो परमानेंट है।

### किचेन में बैठकर मां के साथ छोटी-छोटी बातें करना

किचेन में मम्मी के आगे-पीछे घूमते हुए, अपने फेवरेट खाने के बनने का इंतजार करना और दुनिया-जहां की सारी बातें कह देना, ये तो बचपन में हमारा फेवरेट पास टाइम हुआ करता था। आजकल के बच्चों के पास, मोबाइल फोन से लेकर न जाने क्या-क्या चीजें हैं, जिनमें वो उलझे रहते हैं। लेकिन, 90 के दशक में ये चीजें ज्यादा नहीं थीं और इसलिए, आज हमारे पास यादें ज्यादा हैं।

### सुबह स्कूल जाने के लिए मां का प्यार से उठाना

सुबह सिर पर हाथ फेरते हुए, मां का स्कूल जाने के लिए उठाना भी हर किसी को याद होगा। हम में कुछ बच्चे उस वक्त, स्कूल जाने में ना-नुकुर करते थे, तो कुछ सुबह की नींद को बिल्कुल नहीं छोड़ना चाहते थे। लेकिन, मां कभी दुलार से तो कभी डांटकर, हमें रोज तय समय पर स्कूल भेजती ही थीं।

### मां के हाथ का चीनी वाला पराठा

अरे...आज के ये पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, मोमोज या फिर और कुछ भी...उतना टेस्टी नहीं हो सकता है, जितना टेस्टी, मेरी मां चीनी का पराठा बनाया करती हैं। 90 के उस वक्त में, फैंसी फूड आइटम्स का इतना चलन भी नहीं था और ऐसे में मां के हाथ का चीनी वाला पराठा, पेट ही नहीं, मन भी खुश कर देता था।

### मां का दोपहर में सुलाना

दोपहर के वक्त जब हम स्कूल से आकर खाना खा लेते थे... मां हमें बाहर तेज धूप में खेलने जाने से रोका करती थीं और फिर बड़े प्यार से अपने पास सुला लिया करती थीं। मतलब नींद तो थक-हारकर आज भी आती है। लेकिन, उस दोपहर वाली नींद की बात की कुछ और थी।

# आसान अभिनय काफी कर चुकी, अब खुद को बेहतर साबित करना है

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत कम समय में मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बना ली है। बॉलीवुड में कदम रखने के बाद से ही पलक लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अब वह ऐसे रोल चुनना चाहती हैं जो उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर चुनौती दें और उनके अभिनय की असली क्षमता सामने लाएं। इस बीच पलक तिवारी ने इंटरव्यू में अपनी आने वाली ओटीटी सीरीज 'लुक्खे' को लेकर बात की और बताया कि आखिर इस प्रोजेक्ट ने उन्हें इतना प्रभावित क्यों किया। पलक तिवारी ने बताया कि उन्हें अब ऐसे किरदारों की तलाश है, जिनमें अभिनय की गहराई हो। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं अब तक 'आसान अभिनय' काफी कर चुकी हूं। अब खुद को एक मजबूत कलाकार के तौर पर बेहतर साबित करना चाहती हूं। यही वजह है कि मैंने 'लुक्खे' जैसी गंभीर और भावनात्मक कहानी को चुना।' पलक ने कहा, ''इस सीरीज के ऑडिशन के दौरान मुझे कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई थी। मुझे सिर्फ दो-तीन सीन्स पढ़ने के लिए दिए गए थे। लेकिन उन सीन्स को पढ़ते ही मैं इमोशनल हो गई। एक सीन ऐसा था, जिसे पढ़ते समय मेरी आंखों में आंसू आ गए। खास बात यह थी कि उस समय मुझे पूरी कहानी का कॉन्सेप्ट भी नहीं पता था, फिर भी मैं उससे गहराई से जुड़ गई।''

अभिनेत्री ने कहा, ''किसी कलाकार के लिए वो एहसास बेहद खास होता है, जब कोई कहानी सीधे दिल को छू जाए। कई बार कलाकार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से उससे जुड़ नहीं पाते। हालांकि, 'लुक्खे' की कहानी ने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। उसी समय मैंने तय कर लिया था कि मुझे किसी भी तरह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना है।'' पलक ने कहा, ''जब कोई अभिनेता खुद कहानी की भावनाओं को महसूस करता है, तो अभिनय करना कहीं ज्यादा आसान हो जाता है। इस सीरीज ने मुझे कुछ नया और अलग करने का मौका दिया। इस तरह का गंभीर और भावनात्मक ड्रामा करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। मजबूत कहानी ही कलाकार को बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती है।'' पलक तिवारी ने बॉलीवुड में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से शुरुआत की थी। अब पलक जल्द ही ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी नई सीरीज 'लुक्खे' में उनके साथ रैपर किंग, शिवांकित परिहार, लक्षवीर सिंह सरन और राशि खन्ना भी नजर आएंगे।

## जितना काम करूं उतना कम लगता है

आठ घंटे शिफ्ट की बहस के बीच दीपिका ने लंबे समय तक काम करने को सही ठहराया इंडस्ट्री में बीते कुछ समय से आठ घंटे शिफ्ट का मुद्दा गरमाया हुआ है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'स्पिरिट' के मेकर्स के सामने कथित तौर पर आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की शर्त रखी। सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। तब से तमाम हीरो-हीरोइन इस विषय पर बात कर चुके हैं और अपने-अपने मत दे चुके हैं। आठ घंटे की शिफ्ट की बहस के बीच हाल ही में चर्चित टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह लंबे काम के घंटों को सही ठहराती दिखीं।

### दीपिका ने 24 की उम्र में जॉइन की थी इंडस्ट्री

अभिनेत्री दीपिका सिंह हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने पैपराजी से बात करते हुए लंबे घंटों तक काम करने की अपनी आदत पर बात की। दीपिका ने कहा, 'मैंने जब इंडस्ट्री जॉइन की तब मैं 24 साल की थी। अब मैं जितना काम करूं, उतना कम लगता है'। उन्होंने आगे कहा, 'मैं 12 घंटे काम करती हूं। अगर मुझे लगता है कि सीन बचे हैं तो 13 से 14 घंटे भी काम करती हूं'। दीपिका सिंह ने बताया, 'मुझे काम का इतना जुनून है कि मुझे उसमें टाइम की चीजें नजर नहीं आतीं। मुझे लगता है कि कम घंटे देंगे तो क्वालिटी कम हो जाएगी। डायरेक्टर को टाइम नहीं मिलेगा, सीन को उस तरह शूट करने के लिए'। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि लोगों की शिकायत होती है कि 12-12 घंटे काम होता है, इस पर क्या कहेंगी? तब दीपिका ने कहा, 'जब फैमिली को टाइम देना होता है, तो परेशानी होती है। लेकिन, यह समझना होगा कि यह क्रिएटिव फील्ड है, इसमें टाइम लगता ही है। हमारे साथ क्या है कि जब काम होता है तो बहुत होता है। नहीं होता तो बिल्कुल नहीं होता'।

**मोटिवेशन के लिए अपना पहला दिन याद कर लेती हूं**

दीपिका ने बताया, 'जब कभी मुझे लगता है कि काम ज्यादा हो रहा है तो मैं अपना पहला दिन याद करती हूं कि मैं ट्रेन से आई थी और अब फ्लाइट से जाती हूं। यही सोच लेती हूं कि अभी तो बहुत कुछ पाना है। अभी से हार जाऊंगी तो आगे क्या करूंगी'। दीपिका सिंह हाल ही में 'अनुपमा' फेम रुपाली गांगुली की बर्थडे पार्टी में शामिल हुईं। उन्होंने इसकी वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

## लुक्खे में दिखेगा राशी खन्ना का पुलिस अवतार

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' का ट्रेलर बुधवार को रिलीज कर दिया गया। यह ट्रेलर पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। 2 मिनट 28 सेकंड का ट्रेलर काफी जबरदस्त है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान सभी के साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है और ईमानदारी से कहूं, तो मैंने इसके बारे में ज्यादा सोचा नहीं था। कहानी सुनते ही मैं इसके साथ जुड़ गया क्योंकि मुझे इसमें कुछ नया करने का मौका दिखा। मुझे सीरीज में काम करने के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला, तो अभी मैं एक स्टूडेंट हूं और बहुत कुछ सीख रहा हूं। मेरे लिए सबसे बड़ी तारीफ यही होगी कि लोग इसमें मेरी वास्तविकता को देखें। जब आप पहली बार कुछ नया करते हैं और लोग उसे सराहते हैं, तो वह बहुत हौसला देता है।' सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

## 'गुल्लक' फेम निर्देशक के साथ फिल्म करेंगे ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

### कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

## संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आईएएनएस संग बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।''

रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा, ''हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

# खतरों के खिलाड़ी में नजर आएंगे गौरव खन्ना

अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में गौरव ने अपनी जिंदगी के संघर्षों, मुंबई आने के सफर और बिना गॉडफादर के मुकाम हासिल करने पर खुलकर बात की। उन्होंने नए शो को लेकर परिवार के रिएक्शन, रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव और जिंदगी में जोखिम लेने की अपनी आदत पर भी चर्चा की।

### 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने जा रहे हैं, फैंस को आपसे काफी उम्मीदें हैं?

बड़ा अच्छा लगता है जब दर्शक इतना भरोसा दिखाते हैं। पिछले रियलिटी शो (बिग बॉस) में लोगों ने मुझे मेरे असली रूप में देखा। अभी तक वे मुझे सिर्फ किरदारों से जानते थे, लेकिन अब वे असली गौरव (जीके) को जानते हैं। मेरी यही कोशिश रहेगी कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं और उन्हें एंटरटेन करता रहूं।

### इस शो में जीके (गौरव खन्ना) क्या खास करने वाले हैं?

जीके इस शो में स्टंट करेगा। जीके जिस भी शो में जाता है, वहां जो भी रिक्वायरमेंट होती है, वो जरूर पूरी करता है।

### शो के लिए आपकी क्या तैयारी है?

मैं कभी कुछ सोचकर नहीं जाता। मैं खुद को उस परिस्थिति में डालता हूं और रिक्वायरमेंट के हिसाब से परफॉर्म करने की कोशिश करता हूं। मुझे स्टंट्स का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, मैं पहली बार यह सब कर रहा हूं।

### शो का ऑफर आने पर घर वालों का कैसा रिएक्शन था?

मेरे माता-पिता कानपुर में रहते हैं और बहुत साधारण लोग हैं। जब मेरी मां को पता चला तो वे चिंतित हो गईं। उन्होंने कहा- 'तुम क्यों जा रहे हो? तुम्हें क्या जरूरत है, करियर तो अच्छा खासा चल रहा है।' उन्होंने ऐसा ही मास्टरशेफ और बिग बॉस के टाइम भी कहा था। मैंने उन्हें इस बार भी नहीं बताया था। सच कहूं तो शो का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने वाला मैं सबसे आखिरी इंसान था।

### आपने शो करने का फैसला कैसे लिया?

मेरे पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि तुम्हें यह करना चाहिए। मुझे लगा कि एक-दो शो जीतने के बाद हम अक्सर अपने कंफर्ट जोन में चले जाते हैं। लेकिन मजा तो इसी में है कि खुद को परखा जाए। मैं कॉर्पोरेट लाइन से एक्टर बना और फिर रियलिटी शोज में आया। जब तक कुछ नया करने का जज्बा है, लाइफ में ग्रोथ होती रहेगी। पत्नी आकांक्षा का रिएक्शन भी बिंदास था, उसने तुरंत कहा- 'करो!'

### लाइफ में आपने अब तक का सबसे बड़ा जोखिम क्या लिया है?

अपने कंफर्ट जोन को छोड़ना। सबसे पहले अपने घर को छोड़कर इतने बड़े शहर (मुंबई) में आना, वह भी बिना किसी प्लान के। मुझे कोई इल्म नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगा। ना किसी को जानता था, ना कोई परिवार था, ना ही कोई गाइडेंस या गॉडफादर था। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि लाइफ में काफी रिस्क लिए हैं।

### उस गौरव को क्या कहेंगे जो सालों पहले बिना किसी जुगाड़ के मुंबई आया था?

मैं उसे बस यही कहूंगा कि 'खुद पर विश्वास रख।' आज भी मुझे वही चीज काम आती है जो 20 साल पहले आई थी। अगर मैं उस समय अपने विश्वास से डगमगा जाता, तो शायद मैं इस लाइन में कभी नहीं आता और कॉर्पोरेट में ही रह जाता। मुझे लाइफ में रिग्रेट नहीं करना है, बस कुछ आउट ऑफ द बॉक्स करना है।

### रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर क्या सोच रहे हैं?

मैं उनसे बिग बॉस के एक वीकेंड का वार में मिला था। उनकी वाइब एक बड़े भाई जैसी है, जो मजाक-मजाक में बड़ी बातें समझा देते हैं। उनकी गाइडेंस में स्टंट सीखना इस शो को करने की एक बड़ी वजह है। वाट तो लगेगी, ऐसा नहीं है कि मैं पत्थर का बना हूं और मुझे डर नहीं लगता। डर सबको लगता है, बस उसे ही ओवरकम करना है।

# ब्लैक पैंथर टीम की रात में कार्रवाई : चाकू लेकर दहशत फैलाने वाले उड़ीसा-कर्नाटक के 2 आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

**राजनांदगांव।** बसंतपुर थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान ब्लैक पैंथर टीम ने धारदार चाकू लेकर लोगों को डराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। आरोपी उड़ीसा और कर्नाटक के रहने वाले हैं।

### आम जगह पर दिखा रहे थे चाकू

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत ब्लैक पैंथर टीम को सूचना मिली कि दो युवक आम जगह पर धारदार चाकू लेकर लोगों को भयभीत कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा।

### चाकू जब्त, आर्म्स एक्ट में केस

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. मोक्सेद अली, 35 वर्ष, निवासी सोनापाल, थाना धनकोटा, जिला संबलपुर उड़ीसा और मो. सुमन खान, 28 वर्ष, निवासी जामखण्डी, सिलोरकर बस्ती, थाना जामखण्डी, जिला भागलकोट कर्नाटक के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से लोहे के धारदार चाकू बरामद कर जब्त किए गए। थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 216/2026 एवं 217/2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद दोनों को जिला जेल राजनांदगांव भेज दिया गया।

## करंट लगने से बिजली ठेका कर्मी की मौत, विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

**खैरागढ़।** टोलागांव क्षेत्र में शनिवार सुबह विद्युत लाइन के पास पेड़ कटाई के दौरान करंट की चपेट में आने से बिजली विभाग के ठेका कर्मी की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक के साथ आक्रोश है। ग्रामीणों ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया। **पेड़ की डाल लाइन से टकराई, मौके पर मची अफरा-तफरी :** मृतक की पहचान ग्राम पेंड्रीकला निवासी हेमंत साहू, 45 वर्ष, पिता स्वर्गीय बंशीलाल साहू के रूप में हुई है। हेमंत अन्य कर्मचारियों के साथ टोलागांव में विद्युत लाइन के समीप पेड़ कटाई कर रहा था। इसी दौरान पेड़ की एक डाल अचानक चालू लाइन के संपर्क में आ गई। हेमंत तेज करंट की चपेट में आ गया। साथी कमर्चारियों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवाया गया है। **विभाग बोला- फीडर बंद था, दूसरी लाइन से आया करंट :** प्रभारी सहायक अभियंता मदलसा विश्वकर्मा ने बताया कि पेड़ कटाई वाले फीडर क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। लेकिन लाइन लंबी होने के कारण दूसरी ओर से प्रवाहित करंट वाली लाइन से डाल संपर्क में आ गई, जिससे हादसा हुआ। **सुरक्षा मानकों पर सवाल :** स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का आरोप है कि लाइन के पास काम के दौरान जरूरी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। हेमंत लंबे समय से ठेका कर्मी था। मिलनसार स्वभाव के कारण क्षेत्र में लोकप्रिय था। उसकी मौत से पेंड्रीकला समेत आसपास के गांवों में शोक है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

**खास खबर**

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना : जिले में 46 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, महापौर मधुसुदन यादव ने दिया आशीर्वाद

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गुरुवार को जिले में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 46 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इसमें 44 जोड़ों का विवाह हिन्दू रीति से और 2 जोड़ों का विवाह बौद्ध रीति से कराया गया।

### सतनाम भवन में 25 जोड़ों ने लिए फेरे

राजनांदगांव विकासखंड के सतनाम भवन में 25 जोड़ों का विवाह हुआ। यहां 23 जोड़े हिन्दू रीति और 2 जोड़े बौद्ध रीति से परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव ने नवविवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया और सुखी दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर, उपाध्यक्ष अनीता सिन्हा, जनपद सदस्य, पार्षद, जनप्रतिनिधि और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कमर्चारी मौजूद रहे।

### बधेरा नवागांव और छुरिया में भी हुआ आयोजन

बधेरा नवागांव में 15 जोड़ों का विवाह हिन्दू रीति से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति शीला राकेश सिन्हा, किरण विनोद बारले, जनपद सदस्य तुलसी साहू समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं छुरिया में 6 जोड़ों का विवाह कराया गया। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव और जनपद पंचायत छुरिया के अध्यक्ष सहित अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

## खैरागढ़ में क्षत्रिय महासभा वीरांगना का शपथ ग्रहण समारोह, महिला नेतृत्व और संस्कृति का हुआ संगम

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

**खैरागढ़।** इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना खैरागढ़ राज का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह भव्यता से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षत्रिय एकता, महिला नेतृत्व और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज सेवा और संस्कृति संरक्षण का संकल्प लिया।

### राष्ट्रीय अध्यक्ष बोलीं- महिला नेतृत्व से सशक्त होगा समाज

समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतू सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुषमा सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कंचन सिंह चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष शीला सिंह गहरवार समेत प्रदेश-जिला स्तर की पदाधिकारी मौजूद रहीं। नीतू सिंह ने कहा कि समाज सेवा ही सच्चा नेतृत्व है। समाज तभी सशक्त बनेगा जब महिलाएं आगे आएंगी। प्रदेश अध्यक्ष सुषमा सिंह ने एकता, अनुशासन और संस्कारों पर जोर दिया।

### जिला अध्यक्ष ने युवाओं से की नशामुक्ति की अपील

जिला अध्यक्ष शताक्षी सिंह ने कहा कि खैरागढ़ की धरती शौर्य और सामाजिक चेतना की पहचान रही है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति, शिक्षा, महिला सम्मान और सामाजिक सहयोग में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संरक्षक डॉ. नीता सिंह ने खैरागढ़ राजपरिवार के गौरवशाली इतिहास और समाज के प्रति योगदान को याद किया।

### डॉक्टर, साहित्यकार और समाजसेवी सम्मानित

समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता ठाकुर सुभाष सिंह गहरवार, समाज अध्यक्ष लाल चिंताहरण सिंह, साहित्यकार विनयशरण सिंह, समाजसेवी रामकुमार सिंह को सम्मानित किया गया। चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. रूना सिंह, डॉ. नीतिराज सिंह, डॉ. शिल्पी सिंह, डॉ. आकांक्षा सिंह और डॉ. सागर सिंह बघेल को सम्मान मिला। जनसेवा क्षेत्र में विक्रांत सिंह, भागवत शरण सिंह, डॉ. विधा सिंह, सौंदर्या सिंह को सम्मान दिया गया।

### प्रतिभाशाली बच्चों का हुआ सम्मान

खेल, कला और विज्ञान में उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। फोटोग्राफी के लिए यथार्थ सिंह, फुटबॉल के लिए अथर्व सिंह व लाल सागर सिंह, स्केटिंग के लिए आध्यात्म सिंह, तीरंदाजी नेशनल के लिए आध्या सिंह, तबला के लिए आदित्य सिंह, बैडमिंटन के लिए नीतिका सिंह, साइंस मॉडल के लिए हर्षित चौहान और मल्टी टैलेंट के लिए अराध्या सिंह को सम्मान मिला।

### राजस्थानी लोकनृत्य ने बांधा समां

कार्यक्रम में राजपूताना गौरव पर आधारित राजस्थानी लोकनृत्य, लोकगीत और पारंपरिक वेशभूषा की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। कोषाध्यक्ष पूनम सिंह व मीडिया प्रभारी डॉ. विधा सिंह ने संचालन किया। अंत में सामूहिक रात्रिभोज के साथ समारोह संपन्न हुआ।

# महाराणा प्रताप जयंती : रामकृष्ण नगर चौक नांदगांव में महापौर मधुसुदन यादव ने किय प्रतिमा पर माल्यार्पण

## घास की रोटी खाई, लेकिन मुगलों के आगे नहीं झुके— महापौर ने किया शौर्य का स्मरण

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर शुक्रवार को रामकृष्ण नगर चौक में नगर निगम द्वारा स्थापित प्रतिमा पर महापौर मधुसुदन यादव ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल और निगम पदाधिकारी मौजूद रहे।

### स्वाभिमान और मातृभूमि प्रेम के लिए अमर हैं प्रताप

महापौर यादव ने कहा कि मेवाड़ के सिसोदिया राजपूत राजवंश के महान शासक महाराणा प्रताप ने मुगल बादशाह अकबर के सामने झुकने के बजाय संघर्ष चुना। वे वीरता, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम के लिए अमर हैं। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए घास की रोटी खाना स्वीकार किया, लेकिन मुगलों के आगे घुटने नहीं टेके।

महापौर ने बताया कि महाराणा प्रताप के वफादार घोड़े का नाम चेतक था। वे युद्ध में 81 किलो का भाला और करीब 72 किलो का कवच पहनकर लड़ते थे। उन्होंने मुगलों से मेवाड़ के अधिकांश हिस्से को वापस पाने में सफलता हासिल की। ऐसे महान योद्धा की जयंती मनाना गौरव का विषय है।

### बघेल ने भी किया याद

जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल ने भी महाराणा प्रताप के योगदानों को याद किया। कार्यक्रम में पार्षद शिव वर्मा, दुरेन्द्र साहू, सेवक उइके, मनोहर यादव, संतोष साहू, पार्षद प्रतिनिधि पंकज कुंरजेकर, संतोष निर्मलकर, करनी सेना अध्यक्ष संजय बहादुर सिंह, प्रमोद साहू, जीवन चतुर्वेदी, गोल्डी भदोरिया, ढालेश वैष्णव, आशीष सिन्हा, कांति मौर्य, संगीता मानिकपुरी, दुर्गा सिंह गौरीराहा, रीता राहा, नरेश कोचरे समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

## जामा मस्जिद चुनाव : अरसद 84 वोटों से जीते, दोबारा बने अध्यक्ष 85 फीसदी मतदान, बुजुर्गों-दिव्यांगों ने दिखाई सक्रियता

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड रायपुर के निर्देश पर जामा मस्जिद खैरागढ़ में हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में अरसद हुसैन (डब्बू) ने 84 मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने अय्यूब सोलंकी को हराकर अध्यक्ष पद पर दूसरी बार वापसी की। चुनाव समिति ने अरसद को परिणाम घोषणा पत्र सौंपा।

### 396 मतदाताओं ने डाले वोट

एसडीएम टंकेश्वर प्रसाद साहू के मार्गदर्शन और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के निर्देशन में चुनाव संपन्न हुआ। कुल 464 मतदाताओं में से 396 ने मतदान किया। मतदान 85 प्रतिशत रहा। अरसद हुसैन को 239 वोट मिले, जबकि अय्यूब सोलंकी को 155 वोट मिले। 2 वोट रद्द हुए।

### बुजुर्गों और नए मतदाताओं में उत्साह

मतदान में शहर और ग्रामीण क्षेत्र के दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने भी गर्मी के बावजूद बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। करीब 15 प्रतिशत नव मतदाता पहली बार वोट डालने पहुंचे। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भूपेंद्र नेताम ने नव मतदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उनसे पहला अनुभव पूछा।

### समिति ने निभाई अहम भूमिका

वक्फ बोर्ड द्वारा गठित चुनाव समिति ने प्रशासन, पुलिस और मीडिया के सहयोग से पहली बार पूर्ण प्रक्रिया के साथ निर्विवाद चुनाव कराया। समिति ने सभी सहयोगियों का आभार जताया। चुनाव प्रक्रिया एक माह से चल रही थी।

## बसंतपुर पुलिस की कार्रवाई : 72 पौवा शराब, बाइक और गुटखा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

बसंतपुर पुलिस ने अवैध शराब और जर्दा युक्त गुटखा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अलग-अलग जगहों से 72 पौवा देशी शराब, मोटर साइकिल और गुटखा जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

### शराब के साथ बाइक भी जब्त

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी एमन साहू की टीम ने 9 मई को कार्रवाई की। आरोपी विकास नेताम, मोहसीन खान और टेकूराम सिन्हा को अवैध रूप से शराब परिवहन व बिक्री करते पकड़ा गया। तीनों के कब्जे से कुल 72 पौवा देशी प्लेन शराब, 12.96 बल्क लीटर, बिक्री रकम 400 रुपये और होंडा साइन बाइक सीजी 04 केवाई 2976 जब्त की गई। जब्त सामान की कुल कीमत 31,600 रुपये आंकी गई।

### मारपीट के पुराने मामले भी दर्ज

आरोपी विकास नेताम पिता रामजी नेताम, निवासी वार्ड 47 मोहारा के खिलाफ पहले भी मारपीट के केस दर्ज हैं। आबकारी एक्ट 34(2) के तहत उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। अन्य आरोपी मोहसीन खान, 22 वर्ष, निवासी कोठारपारा नंदई और टेकूराम सिन्हा, 34 वर्ष, निवासी ग्राम बांकल के खिलाफ भी आबकारी एक्ट में कार्रवाई की गई।

### गुटखा बेचते दुकानदार पर कोटपा एक्ट

इसी दौरान नंदई चौक निवासी कमलेश गुप्ता, 52 वर्ष को किराना स्टोर्स में जर्दा युक्त गुटखा बेचते पकड़ा गया। उसके पास से 4 पैकेट राजश्री, 4 पैकेट पान राज और 4 पैकेट सितार गुटखा जब्त कर कोटपा एक्ट में कार्रवाई की गई।

एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी वैशाली जैन के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई में उनि नरेश सार्वा, इब्राहिम खान, मप्रआर मेनका साहू, आरक्षक रूपेन्द्र वर्मा, कुश बघेल, राजेश बंदेश्वर की भूमिका रही। पुलिस ने कहा कि अवैध शराब और गुटखा बिक्री के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

# खैरागढ़ में ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर, बच्चों में दिखा जोश

## राजा फतेह सिंह खेल मैदान में बॉल कंट्रोल से लेकर फिटनेस तक का प्रशिक्षण

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

संगीत नगरी के राजा फतेह सिंह खेल मैदान में चल रहे ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर 2026 में बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते बन रहा है। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में चल रहे शिविर में बड़ी संख्या में बालक-बालिका खिलाड़ी सुबह-शाम पसीना बहा रहे हैं।

शिविर में खिलाड़ियों को फुटबॉल की बुनियादी तकनीक, बॉल कंट्रोल, पासिंग, फिटनेस और टीम समन्वय का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षकों की देखरेख में अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने पर विशेष ध्यान है। ग्रामीण अंचल के बच्चों में फुटबॉल के प्रति बढ़ता रुझान शिविर में साफ नजर आ रहा है।

शिविर में बालिकाओं की सहभागिता भी उत्साहजनक रही है। युवा खिलाड़ी पूरे जोश और ऊर्जा के साथ मैदान में अभ्यास करते दिखे। प्रशिक्षक शितांशु गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य बच्चों में खेल प्रतिभा निखारना और उन्हें फिटनेस व टीम भावना के प्रति जागरूक करना है।

गुप्ता ने कहा कि खिलाड़ियों को तकनीकी बारीकियों के साथ नियमित अभ्यास कराया जा रहा है, ताकि वे जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बालक-बालिकाओं में सीखने की ललक साफ दिख रही है। खेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित इस शिविर का मकसद बच्चों को खेलों से जोड़कर उनकी प्रतिभा को सही दिशा देना है। खिलाड़ियों और अभिभावकों ने पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए सकारात्मक और प्रेरणादायी प्रयास बताया।

### असामाजिक तत्व पर पुलिस ने की कार्रवाई

**छुईखदान।** जिले के छुईखदान थाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लोगों को गाली-गलौच कर परेशान करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पर पहले से कई शिकायतें भी दर्ज थीं। पुलिस के अनुसार, ग्राम तेन्दूभाठा क्षेत्र में लोगों को लगातार परेशान करने और अभद्र व्यवहार करने के मामले सामने आ रहे थे। शिकायतों के आधार पर छुईखदान पुलिस थाना ने कार्रवाई करते हुए आरोपी गिरवर जंघेल को हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान गिरवर जंघेल (33 वर्ष), निवासी तेन्दूभाठा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 32/59/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126 और 135(3) के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की और उसे उपजेल सलोनी भेज दिया।

# डॉ. अशोक कुमार पंडा ने सेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला

*नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली*

डॉ. अशोक कुमार पंडा ने आज 9 मई, 2026 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (रअक्छ) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में कायर्भार ग्रहण कर लिया है। इससे पूर्व, वह कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यरत थे और इस दौरान लगभग नौ महीनों तक उनके पास निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी रहा।

डॉ. पंडा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. (इ.ए.) पूरा करने के बाद, वर्ष 1992 में मैनेजमेंट ट्रेनी (तकनीकी) के रूप में सेल में अपने करियर की शुरुआत की थी। पिछले तीन दशकों से अधिक की अपनी विशिष्ट सेवा, अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर वह कंपनी के भीतर नेतृत्व के उच्चतम स्तर तक पहुंचे हैं। उन्होंने विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों में विविध दायित्वों का निर्वहन किया है, जिससे उन्हें प्रचालन, वित्तीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है।

निदेशक (वित्त) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, डॉ. पंडा ने प्रचालन दक्षता और समग्र लाभप्रदता में सुधार लाने के उद्देश्य से कई रणनीतिक पहलों का नेतृत्व किया। उनके प्रयासों में तकनीकी पहलों को बढ़ावा देना, उत्पाद बास्केट के संवर्धन के माध्यम से उत्पादन स्तर को बढ़ाना और प्रचालन, विक्रय एवं विपणन, मानव संसाधन तथा वित्त से संबंधित प्रमुख नीतियों को बेहतर करना शामिल रहा। निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में अपनी भूमिका में, उन्होंने प्रचालन को बाजार और वित्तीय उद्देश्यों के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विक्रय की मात्रा बढ़ाने, नेट सेल्स रियलाइजेशन में सुधार करने, इन्वेंट्री स्तर को कम करने और उत्पाद की ब्रांडिंग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया।

एक जन-उन्मुख लीडर के रूप में, डॉ. पंडा अपनी समावेशी नेतृत्व शैली और मजबूत निष्पादन क्षमताओं के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। टीमों का निर्माण करना और प्रदर्शन को गति देना उनके करियर की प्रमुख विशेषता रही है। सेल के सीएमडी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद, डॉ. पंडा ने कंपनी की तात्कालिक प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा, "सेल अपनी क्षमता को 35 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए विस्तार के अगले चरण की ओर अग्रसर है। विस्तार के साथ-साथ, हमारी सवोच्च प्राथमिकता सभी कार्यस्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना रहेगी। अपनी विकास आकांक्षाओं को पूरा करने लिए घरेलू खनन को बढ़ावा देने और विदेशी संपत्तियों की खोज के जरिये से कच्चे माल की सुरक्षा को मजबूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। साथ ही, हम वैल्यू एडेड उत्पादों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी बाजार पहुंच बढ़ाने, अपने ब्रांड जुड़ाव को मजबूत करने और सभी हितधारकों के लिए निरंतर वैल्यू क्रियेशन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

# करही गोलीकांड : 15 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, हाईटेक दावों पर उठे कई सवाल

**35 जवान, हजारों सीसी टीवी, कॉल डिटेल जांच के बाद भी मुख्य आरोपी फरार ; पीड़ित परिवार आईजी दफ्तर तक पहुंचा**

*नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा*

बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में हुए गोलीकांड और आयुष कश्यप हत्याकांड को 15 दिन से ज्यादा हो गए, लेकिन पुलिस अब तक किसी मुख्य आरोपी तक नहीं पहुंच सकी है। बिलासपुर रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग के स्मार्ट पुलिसिंग और हाईटेक मॉनिटरिंग के दावों के बीच जांच में 35 जवान, हजारों सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल खंगालने के बाद भी नतीजा शून्य है। पीड़ित परिवार थाना से लेकर आईजी, विधायक और सांसद तक न्याय की गुहार लगा चुका है।

## 23 अप्रैल की रात हुई थी वारदात

23-24 अप्रैल की रात करही गांव में कांग्रेस नेता सम्मेलाल कश्यप के घर में घुसकर नकाबपोश बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। हमले में 19 वर्षीय आयुष कश्यप की मौत हो गई, जबकि छोटा भाई आशुतोष कश्यप घायल हो गया था।

## जांच में लगा 35 जवानों का दल, फिर भी सुराग नहीं

वारदात के बाद पुलिस ने 35 जवानों की टीम बनाई। हजारों उउळश फुटेज खंगाले गए। हजारों कॉल डिटेल की जांच हुई। 100 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई। इसके बावजूद 15 दिन बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है।

## रेत खनन : विवाद में गई बेटे की जान

मृतक आयुष के पिता सम्मेलाल कश्यप का आरोप है कि हत्या के पीछे अवैध रेत कारोबार का विवाद है। उन्होंने पुलिस को कुछ रसूखदारों के नाम भी दिए, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। परिवार का कहना है कि बेटे को खोने के साथ डर है कि कहीं मामला लंबी जांच और फाइलों में न दब जाए।

## विधायक बोले- पाताल से भी पकड़ सकती है पुलिस

कांग्रेस विधायक ब्यास कश्यप ने कहा, आज पुलिस आधुनिक तकनीकों से लैस है। अगर चाहे तो पाताल से भी अपराधियों को पकड़ सकती है। फिर 15 दिन बाद भी आरोपी बाहर कैसे घूम रहे हैं? भाजपा सांसद कमलेश जांगड़े ने भी कलेक्टर-एसपी को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और अवैध रेत उत्खनन पर रोक की मांग की।

## हाईटेक दावों पर सवाल

आईजी रामगोपाल गर्ग ने पदभार संभालते ही त्रिनयन और सशक्त जैसे ऐप से अपराधियों की पहचान तेज करने के दावे किए थे। दफ कोड से पीड़ित के सीधे अफसरों तक पहुंचने की बात कही गई थी। लेकिन करही गोलीकांड ने जमीनी हकीकत उजागर कर दी। परिवार क्क्रकार्यालय तक पहुंच चुका है, फिर भी जांच में तेजी नहीं दिख रही।

## सिस्टम पर उठे सवाल

करही गोलीकांड अब सिर्फ हत्या का मामला नहीं, सिस्टम पर सवाल बन गया है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या टेक्नोलॉजी सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित है? अगर वारदात किसी रसूखदार परिवार के साथ हुई होती तो क्या 15 दिन तक आरोपी खुले घूमते? जिस घर में दो बेटों की हंसी थी, वहां अब मातम है। घायल आशुतोष अब भी उस रात के खौफ से बाहर नहीं निकल पाया है। परिवार न्याय के लिए हर दरवाजा खटखटा चुका है, लेकिन आरोपी अब भी पुलिस की पहुंच से दूर हैं।

# रेत के अवैध भंडारण-परिवहन पर खनिज विभाग की कार्वाई, 2 माजदा जब्त

**राजनांदगांव।** कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो माजदा वाहन जब्त किए हैं। शिवनाथ नदी से अवैध रूप से खनन कर भंडारित की गई रेत का परिवहन करते हुए दोनों वाहन पकड़े गए।

## ग्रामीणों की मौजूदगी में हुई जांच

खनिज विभाग की टीम ने कुमरदा और डोंगरगांव क्षेत्र के मोतीपुर, नांदिया, धनगांव का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने बताया कि मोतीपुर स्थित शिवनाथ नदी से रेत खनन कर पानी टंकी के पास करीब 500 मीटर दूर 18 ट्रिप माजदा में रेत का अवैध भंडारण किया गया था। जांच के दौरान अवैध भंडारण से रेत का परिवहन करते दो माजदा पकड़े गए। माजदा क्रमांक सीजी 04 आरएल 7909 का मालिक लोकेश निर्मलकर, निवासी मोतीपुर कुमरदा है, जिसे चालक रेखचंद चला रहा था। दूसरा माजदा सीजी 09 जेसी 0764 शंकर देवांगन, निवासी मोतीपुर कुमरदा का है, जिसे चालक सोमेश नायक चला रहा था। दोनों वाहनों को जब्त कर थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया। खनिज अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण रोकने के लिए लगातार गश्त व निगरानी की जा रही है।

# खैरागढ़ : सड़क किनारे मिले रहस्यमयी बॉक्स से मचा हड़कंप, निकला शादी का सामान

**टोना-टोटका की आशंका पर जुटी भीड़, पुलिस जांच में खुला राज**

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

छुईखदान थाना क्षेत्र के ग्राम घिरघोली में शनिवार सुबह सड़क किनारे पड़े दो बंद बॉक्स मिलने से सनसनी फैल गई। रहस्यमयी बॉक्स को देखकर ग्रामीणों ने टोना-टोटका और तांत्रिक क्रिया की आशंका जताई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब बॉक्स खोला तो उसमें शादी समारोह का सामान निकला।

**सोशल मीडिया पर फैली खबर, जुटी भीड़ :** गांव के बाहरी हिस्से में सड़क किनारे दो संदिग्ध बॉक्स पड़े होने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। बॉक्स को लेकर तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। देखते ही देखते घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

**बॉक्स में मिली चूड़ी, साड़ी और नारियल :** सूचना पर छुईखदान पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों बॉक्स खोले गए। अंदर चूड़ी, साड़ी, चावल, नारियल, नींबू और अन्य घरेलू सामग्री मिली। सामान देखकर लोग हैरान रह गए।

**परिवहन के दौरान छूटने की आशंका :** थाना प्रभारी बिलकिस खान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला किसी शादी या पारिवारिक आयोजन से जुड़ा लग रहा है। संभावना है कि सामान परिवहन के दौरान रास्ते में छूट गया हो। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सामान के असली मालिक का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस ने अफवाहों से बचने और किसी भी संदिग्ध वस्तु की जानकारी तुरंत थाने में देने की अपील की है।

# देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाने पर हुई कार्रवाई

**भिलाई।** भिलाई में देर रात तक तेज आवाज में डीजे और लाउडस्पीकर बजाने के मामले में एक मैरिज पैलेस संचालक पर कार्रवाई की गई है। पुरानी भिलाई पुलिस ने जयंती नगर स्थित मां लक्ष्मी मैरिज पैलेस के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार, जयंती नगर भिलाई-03 स्थित मां लक्ष्मी मैरिज पैलेस में देर रात तक तेज आवाज में डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्र चलाए जाने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। स्थानीय निवासियों ने पुलिस को बताया कि रात 10 बजे के बाद भी तेज आवाज में संगीत बजने से बच्चों, बुजुर्गों और आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत मिलने पर पुरानी भिलाई थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में पाया गया कि विवाह समारोह के दौरान निर्धारित समय सीमा के बाद भी तेज ध्वनि में साउंड सिस्टम संचालित किया जा रहा था। इसके अतिरिक्त, आयोजन स्थल के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग के कारण सड़क पर यातायात भी बाधित हो रहा था।

# नेशनल हाईवे पर हादसा: पोते से मिलने जा रही दादी की ट्रेलर की टक्कर से मौत, चालक फरार

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नेहरू नगर चौक के आगे नेशनल हाईवे पर शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। अज्ञात ट्रेलर ने एक्टिवा को पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में एक्टिवा सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक सुरक्षित है। मृतका की पहचान हेमिन बाई पटेल, 60 वर्ष, निवासी सोरली, डौंडीलोहारा के रूप में हुई है। वह अपने देवर प्रहलाद पटेल के साथ एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमजेड 7689 से रायपुर कोटा स्थित बेटे-बहू के घर जा रही थी। 2-3 दिन पहले ही बेटे-बहू के घर बच्चे का जन्म हुआ था, जिससे मिलने हेमिन बाई जा रही थीं।

भिलाई के नेहरू नगर चौक से आगे नेशनल हाईवे पर अज्ञात ट्रेलर ने एक्टिवा को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन समेत फरार हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि हेमिन बाई की मौके पर ही मौत हो गई। देवर प्रहलाद पटेल को मामूली चोट आई है। घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है। सूचना पर टीआई विजय यादव और उनकी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर और चालक की तलाश की जा रही है।

# प्राचार्य के निलंबन पर उठे सवाल, क्या गिरते परिणाम के लिए अकेले संस्था प्रमुख जिम्मेदार?

**शिक्षक संगठनों का तर्क : दंड से नहीं, सामूहिक जवाबदेही से सुधरेगी शिक्षा**

*नई दृष्टिबिंदु / बालोद*

हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में 40% गिरावट पर शासकीय हाईस्कूल सोंहपुर के प्राचार्य बाल सिंह मण्डावी के निलंबन ने नई बहस छेड़ दी है। जिला कलेक्टर की इस कार्रवाई के बाद शिक्षक संगठनों और शिक्षा जगत में सवाल उठ रहा है कि परीक्षा परिणाम की पूरी जिम्मेदारी केवल प्राचार्य पर डालना कितना उचित है।

## पर्याप्त शिक्षक थे तो जवाबदेही किसकी?

प्रशासनिक आदेश में कहा गया कि स्कूल में पर्याप्त शिक्षक होने के बावजूद परिणाम 100% से घटकर 60% रह गया। इस पर शिक्षकों का कहना है कि यदि शिक्षक उपलब्ध थे तो संबंधित विषय के शिक्षकों से उनकी विफलता पर जवाब क्यों नहीं मांगा गया। प्राचार्य का काम प्रशासनिक निगरानी का होता है, लेकिन कक्षा में पढ़ाने और छात्रों को तैयार करने की सीधी जिम्मेदारी विषय शिक्षकों की है।

## क्या निलंबन ही समाधान है?

विशेषज्ञों का मानना है कि परिणाम आते ही संस्था प्रमुखों पर कार्रवाई कर इतिश्री कर लेना स्थायी हल नहीं है। केवल निलंबन से शैक्षणिक गुणवत्ता नहीं सुधरेगी। गहराई से जांच जरूरी है कि छात्रों का स्तर कहां कमजोर रहा। इसके पीछे सिर्फ लापरवाही थी या पाठ्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति और अधिकारियों के सतत निरीक्षण की कमी भी जिम्मेदार है।

## बी-एड-डी-एड की भूमिका पर भी सवाल

यदि सोंहपुर स्कूल का परिणाम पिछले साल 100% था और इस बार 60% रहा, तो सवाल उठता है कि शैक्षणिक सत्र के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी ने कितनी बार स्कूल का औचक निरीक्षण किया। सत्र के बीच में ही कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित करवाई जातीं तो शायद स्थिति अलग होती।

## एकपक्षीय कार्रवाई से मनोबल पर असर

जानकारों का कहना है कि बिना गहन जांच के सीधे निलंबन से शिक्षा जगत में भय का माहौल है। प्राचार्य को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए था। शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए दंड से अधिक सुधारात्मक दृष्टिकोण जरूरी है। इसमें प्राचार्य के साथ विषय शिक्षकों और मॉनिटरिंग अधिकारियों की भी सामूहिक जवाबदेही तय की जाए।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100